दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 160 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

शुक्रवार 12 सितंबर 2025

डाक-शनिवार 13 सितंबर 2025

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

अमेरिका में भारतीय मूल के व्यक्ति की बेरहमी से हत्या

नई दिल्ली,12 सितंबर (एजेंसी)। अमेरिका में एक भारतीय की बेरहमी से हत्या करने का मामला सामने आया है। उसके कर्मचारी ने मामूली बात पर उसका सिर धारदार हथियार से काट डाला और फिर कटे हुए सिर पर लात मारी। जब इससे भी मन नहीं भरा, तो उसने सिर को उठाकर कूड़ेदान ने फेंक दिया।

मामला अमेरिका के डलास शहर का है। यहां एक मोटल में काम करने वाले व्यक्ति योर्डानिस कोबोस-मार्टिनेज पर एक भारतीय की हत्या का आरोप है। घटना बुधवार को हुई, जब मूल रूप से कर्नाटक निवासी चंद्र नागमल्लैया ने योर्डानिस को टूटी हुई वाशिंग मशीन का इस्तेमाल करने के लिए मना किया था।

योर्डानिस कोबोस-मार्टिनेज सिर्फ इस बात से नाराज हो गया कि नागमल्लैया ने यह बात उससे डायरेक्ट क्यों नहीं कही, बल्कि इसके बजाय उसने दूसरे कर्मचारी से अपने निर्देश को ट्रांसलेट क्यों करवाया। आरोपी इससे आगबबूला हो गया और धारदार हथियार से नागमल्लैया पर कई बार वार किया। नागमल्लैया ने बचने के लिए पार्किंग के रास्ते फ्रंट ऑफिस की तरफ भागना शुरू किया। नागमल्लैया की पत्नी और बेटे ने भी कोबोस-मार्टिनेज को रोकने की कोशिश की, लेकिन उसे उन्हें धक्का दे दिया। इसके बाद उसने धारदार हथियार से नागमल्लैया का सिर काट दिया और फिर उस पर लात मारी। उसने कटे हुए सिर को उठाकर कूड़ेदान में फेंक दिया। जब वह कूड़ेदान से बाहर निकल रहा था, तब उसे गिरफ्तार कर लिया गया। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने नागमल्लैया की मौत पर दुख जताया है।

सीपी राधाकृष्णन ने ली उपराष्ट्रपति पद की शपथ

इस्तीफे के बाद पहली बार नजर आए जगदीप धनखड़

नई दिल्ली ,12 सितंबर (एजेंसी)। भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को शपथ ग्रहण कर ली है। राष्ट्रपति भवन में लगभग सुबह 10 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें उपराष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित केंद्र सरकार के कई मंत्री उपस्थित थे।

शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी शामिल हुए, जो

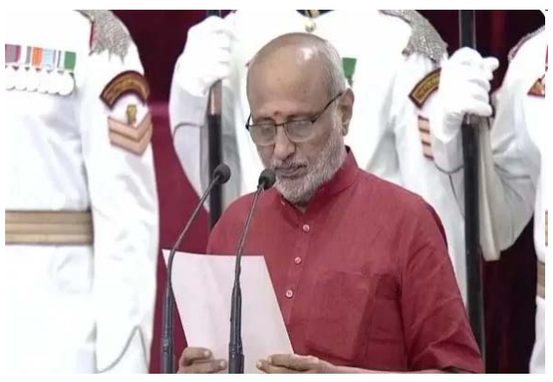

उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आए। कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खरगे भी समारोह में मौजूद रहे, जबकि विपक्ष के अन्य नेता भी आए, लेकिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गुजरात दौरे के कारण शामिल नहीं हो पाए।

सीपी राधाकृष्णन ने 9 सितंबर को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद गुरुवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को सौंपा गया है।

इस चुनाव में राधाकृष्णन ने विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 वोटों से हराया था। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया था।

पीएम मोदी की मां पर बने एआई वीडिया से मचा हंगामा, बिहार कांग्रेस को भाजपा नेतृत्व ने लताड़ा

पटना,12 सितंबर (एजेंसी)। बिहार में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को गाली दी गई थी। यह विवाद थमा नहीं था कि बिहार कांग्रेस ने पीएम मोदी की मां पर एक एआई वीडियो बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डाल दिया, जिसके बाद सियासी भूचाल आ गया है। भाजपा कांग्रेस पर हमलावर हो गई है।

बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस ने राजनीति की सारी हदें पार कर दी हैं। कांग्रेस राजनीतिक बहस के स्तर को बहुत नीचे लेकर आ गई है। वह लगातार प्रधानमंत्री की मां का अपमान कर रही है। वह एक आम महिला थीं, जिनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं थी। उसके बाद भी कभी कांग्रेस पीएम की मां को गाली देती है व कभी अपनी घटिया राजनीति के लिए वीडियो के जरिए उनका अपमान करती है। भाजपा मीडिया सेल के इंचार्ज अमित मालवीय ने कहा कि पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की स्वर्गीय माता जी को कांग्रेस-ऋछ्ठ के मंच से गालियां दी गईं। अब उनका वीडियो बनाकर अपमान किया जा रहा है। इससे एक बात तो स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री जी की माता जी को राहुल गांधी के निर्देश पर गालियां दी जा रही हैं। यह कांग्रेस की घटिया राजनीति की पराकाष्ठा है।

गांधी से गालियों की पार्टी बनी कांग्रेस-बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एक बार फिर पीएम मोदी की मां का अपमान कर रही है। यह अब गांधी की कांग्रेस नहीं रही, यह %गालियों% की कांग्रेस बन गई है। यह कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के कहने पर हो रहा है।

सिक्किम में भूस्खलन के कारण 4 लोगों की मौत, 3 अब भी लापता

गंगटोक, 12 सितम्बर (एजेंसी)। सिक्किम में भारी बारिश के बीच लैंडस्लाइड होने से 4 लोगों की मौत हो गई। तीन लोग अभी लापता बताए गए हैं। फिलहाल, लापता लोगों की तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। भारी बारिश के बीच प्रशासन ने जोखिम वाले क्षेत्रों के निवासियों से सतर्क रहने की अपील की है।

जानकारी सामने आई है कि पश्चिम सिक्किम के यांगथांग विधानसभा क्षेत्र के अपर रिमबी में गुरुवार देर रात यह घटना हुई। सूचना मिलने के बाद पुलिस, स्थानीय लोगों और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने मिलकर राहत और बचाव अभियान शुरू किया। इसी बीच, पुलिस ने उफनती हुम नदी पर पेड़ों के तनों से एक अस्थायी पुल बनाकर दो घायल महिलाओं को बचाया। दोनों को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन दुर्भाग्य से इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। दूसरी महिला की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

नौसेना के लिए बनाया गया भारत का पहला नेवल 3डी एयर सर्विलांस रडार, नहीं बचेंगे दुश्मन के हवाई टारगेट

नई दिल्ली,12 सितंबर (एजेंसी)। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) ने गुरुवार को घोषणा की कि वह स्पेन की कंपनी इंद्रा से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के तहत एडवांस्ड नेवल 3डी एयर सर्विलांस रडार का निर्माण करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई है।

टीएएसएल ने कहा कि उसने इटली की कंपनी के साथ साझेदारी करके भारतीय नौसेना के युद्धपोत पर पहले लांजा-एन रडार को सफलतापूर्वक तैनात कर दिया गया है। लांजा-एन, इंद्रा के लंबी दूरी के 3डी रडार का नेवल वर्जन है, जिसे वायु रक्षा और मिसाइल रोधी अभियानों के लिए दुनिया में सबसे एडवांस माना जाता है।

पहला राडार स्थापित करने के बाद ऐसे और अधिक राडार भारतीय नौसेना के फ्रिगेट, डिस्ट्रॉयर और विमान वाहक पोतों पर लगाए जाएंगे। इस रडार की स्थापना को भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता अभियान में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस सिस्टम को स्थानीय स्तर पर असेंबल और एकीकृत किया गया है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स ने उत्पादन और फ्यूचर डिलीवरी में तेजी लाने के लिए कर्नाटक में एक समर्पित रडार असेंबली, एकीकरण और परीक्षण सुविधा स्थापित की है। इस रडार को शामिल करने से पहले व्यापक समुद्री परीक्षणों से गुजरा गया है, जहां इसकी क्षमता का परीक्षण करने के लिए विभिन्न नौसैनिक और हवाई प्लेटफार्मों का इस्तेमाल किया गया। अब इसे भारतीय नौसेना के युद्धपोत पर मौजूद सभी सिस्टम्स के साथ पूरी तरह से एकीकृत कर दिया गया है। इस उपलब्धि के बारे में बात करते हुए, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के सीईओ और एमडी, सुकरण सिंह ने कहा कि इंद्रा के साथ साझेदारी भारत में रडार निर्माण को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने आगे कहा कि स्थानीय विशेषज्ञता, एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, एडवांस डिफेंस सिस्टम्स के लिए एक इकोसिस्टम बनाने में मदद कर रहे हैं। इंद्रा की नेवल बिजनेस यूनिट की प्रमुख, एना बुएंडिया ने कहा कि टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के साथ सहयोग सिर्फ रडार की आपूर्ति तक ही सीमित नहीं है।

उन्होंने कहा, हमने मिलकर बेंगलुरु में एक रडार फैक्टरी स्थापित की है, जो हमें प्रणालियों का अधिक कुशलता से उत्पादन करने और ग्राहकों को नजदीकी सेवा प्रदान करने के लिए स्थानीय समर्थन प्रदान करती है। लांजा-एन रडार मित्र और शत्रु दोनों प्रकार के हवाई और सतही लक्ष्यों पर नजर रख सकता है, जिनमें ड्रोन, सुपरसोनिक लड़ाकू विमान, विकिरण-रोधी मिसाइलें और नौसैनिक प्लेटफॉर्म शामिल हैं। यह पहली बार है जब लांजा-एन प्रणाली को स्पेन के बाहर तैनात किया गया है, जिससे भारत इंद्रा के होम बेस से परे इसे संचालित करने वाला पहला देश बन गया है।

नेपाल में ताज के लिए दंगल, प्रधानमंत्री चुनने को लेकर आपस में भिड़े जेन ज़ी गुट, चले लात-घूंसे

काठमांडू,12 सितंबर (एजेंसी)। नेपाल में जेन ज़ी गुटों में नए प्रधानमंत्री को लेकर मतभेद गहरा गए हैं। एक पक्ष पूर्व सीजेआई सुशीला कार्की का समर्थन कर रहा है, जबकि दूसरा काठमांडू के मेयर बालेन शाह जैसे नए नेता को मौका देना चाहता है। गुरुवार को कार्की और बालेन शाह के समर्थक सेना मुख्यालय के बाहर एक-दूसरे से उलझ गए कि नेपाल का नेतृत्व कौन करेगा। इसके चलते इलाके में एक बार फिर से तनाव फैल गया। जानकारी के मुताबिक, दो जेन ज़ी गुटों के बीच नए प्रधानमंत्री चुने जाने को लेकर गुरुवार को लड़ाई हुई और जमकर लात-घूंसे चले। इनमें से एक गुट केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के बाद नेपाल की

पहली महिला पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की को प्रधानमंत्री बनाने की मांग कर रहा है। वहीं दूसरा गुट इसके खिलाफ है और वह कार्की की जगह काठमांडू के मेयर बालेन शाह या किसी नई सोच वाले नेता को प्रधानमंत्री पद पर देखना चाहता है।

प्रदर्शनकारियों के एक गुट ने अंतरिम पीएम के लिए सुशीला कार्की के नाम को खारिज कर दिया है। गुट का आरोप है कि सुशीला कार्की भारत समर्थक हैं और उन्हें यह स्वीकार नहीं हैं। गुट मांग कर रहा है कि काठमांडू मेयर बालेन शाह पीएम बने। अगर बालेन नहीं बनते हैं तो धरान मेयर हरका सम्पांग उनके पीएम उम्मीदवार होंगे। जेन ज़ी समूह ने गुरुवार को इस संबंध में एक प्रेस रिलीज जारी की, जिसमें कहा गया कि संविधान के अनुसार,

कुलमान घीसिंग का नाम भी चर्चा में

नेपाल में एक और नेता, कुलमान घीसिंग को प्रधानमंत्री बनाए जाने की चर्चा तेज हो गई है। माना जा रहा है कि सुशीला कार्की के नाम पर सहमति नहीं बनने के बाद जेन ज़ी गुटों ने कुलमान घीसिंग के नाम को आगे बढ़ाया है। नेपाल में इंजीनियर कुलमान घीसिंग अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने की रेस में सबसे आगे आ गए हैं।

तीसरे दिन भी कर्फ्यू

एहतियातन राजधानी और उससे सटे इलाकों में तीसरे दिन भी कर्फ्यू जारी रहा। नेपाल हिंसा में अब तक 34 मौतें हुई है, जबकि 1300 से ज्यादा लोग घायल हैं।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश और न्यायाधीश इस पद के लिए पात्र नहीं होते। इसके अलावा, संबंधित व्यक्ति 70 वर्ष की आयु पार कर चुके हैं, इसलिए वे जेन ज़ी की पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम नहीं हैं। इन्हीं कारणों से उनका नाम अस्वीकार किया गया है। हालांकि, कुलमान इस पद को स्वीकार करेंगे या नहीं, इस पर अब तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं नेपाल का सुप्रीम कोर्ट रविवार को फिर से काम शुरू करने जा रहा है।

पंजाब में हथियार तस्करी का बड़ा नेटवर्क बेनकाब, 6 गिरफ्तार, हथियार और 5.75 लाख की नकदी बरामद

अमृतसर ,12 सितंबर (एजेंसी)। पंजाब पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। खुफिया जानकारी के आधार पर की गई कार्रवाई में अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से चल रहे हथियार तस्करी के संगठित मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। इस दौरान पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से छह अत्याधुनिक पिस्तौलें और 5.75 लाख हवाला की नकदी बरामद की। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह सोशल मीडिया के माध्यम से विदेश बैठे आकाओं के इशारे पर काम कर रहा था। इसकी कमान मुख्य आरोपी मेहकप्रीत सिंह उर्फ रोहित के हाथों में थी, जो विदेशी हैंडलर्स से सीधे निर्देश ले रहा था। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए एक्स पोस्ट में लिखा, एक खुफिया ऑपरेशन में, अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से हथियारों की तस्करी करने वाले एक संगठित मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और छह लोगों को छह अत्याधुनिक हथियारों और ?5.75 लाख हवाला राशि के साथ गिरफ्तार किया। इस गिरोह का संचालन महकप्रीत सिंह उर्फ रोहित अपने विदेश स्थित आकाओं के निर्देशों पर सोशल मीडिया के जरिए कर रहा था। ऑपरेशन के दौरान, जांच के विभिन्न चरणों में कई बरामदगी की गई। परगट सिंह को शुरुआत में सीमा पार से भेजी गई खेपों से दो हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया था।

वाह वाह

ससुराल में आई नई नवेली बहू ने सास के पैर छूए

सास- सदा खुश रहो

बहू- आप रहने देंगी...

सास (बहू से)- तुम्हें खाना बनाना नहीं आता?

बहू- नहीं मम्मी जी

सास- तो शादी से पहले क्यों नहीं बताया?

बहू- सरप्राइज....

भारत-पाक मैच पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने किया इनकार, नहीं चली 'राष्ट्रीय भावना' वाली दलील

नई दिल्ली, 12 सितम्बर (एजेंसी)। 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के मुकाबले को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला सामने आया है। इस टी20 मुकाबले को लेकर कोर्ट ने मैच में दखल देने से मना कर दिया है। मुकाबले के विरोध में चार छात्राओं की याचिका में पहलगाम आतंकी हमले का हवाला देते हुए पाकिस्तान के मुकाबला न खेलने की मांग की गई थी। वकीलों ने कोर्ट से तुरंत सुनवाई का आग्रह किया था। अब कोर्ट ने इसको लेकर मना कर दिया है। भारत और पाकिस्तान मुकाबले के विरोध को लेकर याचिकार्ताओ के

लिए पेश हुए वकील ने रविवार को मैच का हवाला देते हुए इसकी तुरंत सुनवाई को जरूरी बताया था। अब जस्टिस जे के माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोईओ की बेंच का इस पर फैसला आया है। ये बेंच मैच के दखल देने के लेकर सहमत नहीं दिखी। जस्टिस माहेश्वरी ने कहा है कि 'अगर मैच रविवार को है तो इससे हम क्या कर सकते हैं? उसे होने दीजिए।' याचिका में कहा गया है कि भारत-पाकिस्तान मैच राष्ट्रीय हितों और सेना के मनोबल पर चोट करेगा। इसमें उल्लेख किया गया कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में कई लोगों की जान गई थी। इसके अलावा, फरवरी से मई 2025 के बीच पाकिस्तानी सेना ने कई बार संघर्षविराम का उल्लंघन किया। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, ऐसे हालात में पाकिस्तान से क्रिकेट खेलना यह संदेश देगा कि भारत उस देश से रिश्ते सामान्य रख रहा है जो आतंकवादियों को पनाह देता है।

सोनिया गांधी को बड़ी राहत...नागरिक से पहले वोटर बनने का मामला..याचिका खारिज

नई दिल्ली, 12 सितम्बर (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को गुरुवार को बहुत बड़ी राहत दे दी है। उनपर भारतीय नागरिक बनने से तीन साल पहले ही वोटर बनने के आरोप में कार्रवाई की मांग को लेकर डाली गई याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मैजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया की अदालत ने याचिकाकर्ता के इस दावे को ठुकरा दिया कि सोनिया का नाम नागरिकता मिलने से तीन साल पहले 1980 में ही वोटर लिस्ट में दर्ज हो गया था।

सोनिया पर क्या था आरोप

इस मामले में शिकायतकर्ता ने सोनिया गांधी के खिलाफ जनप्रतिनिधित्व कानून के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उनपर एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी।

याचिका के मुताबिक वोटर लिस्ट में उनका नाम जनवरी 1980 में ही पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आधिकारिक निवास के पते पर शामिल हो चुका था। इसके अनुसार वो 1 जनवरी, 1980 को ही वोटर बन चुकी थीं, जबकि अप्रैल 1983 तक भारत की नागरिक नहीं थीं।

इससे पहले बीजेपी नेता अमित मालवीय ने भी दावा किया था कि 1980 में मतदाता सूची रिविजन के दौरान इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, संजय गांधी और मेनका गांधी के साथ सोनिया गांधी का भी नाम शामिल था। उन्होंने एक्स पर लिखा था, पहली बार उनका नाम 1980 में वोटर लिस्ट में आया...भारतीय नागरिक बनने से तीन साल पहले और उस समय तक उनके पास इटली की ही नागरिकता थी। उनका यहां तक दावा था कि आलोचनाओं के बाद उनका नाम वोटर लिस्ट से हटा लिया गया और फिर 1983 में वापस शामिल कर लिया गया।

हालांकि, कांग्रेस पार्टी बीजेपी के सभी आरोपों को पहले ही खारिज कर चुकी है। पार्टी का दावा है कि वह मतदाता रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पर राजनीति करना चाहती है और विपक्ष के नेताओं को बिना सबूत के बदनाम करने की कोशिश कर रही है।

आयुक्त ने इमलीडुग्गू स्लम बस्ती की सकरी गलियों में भ्रमण कर सफाई कार्यों का लिया जायजा

बस्तीवासियों से निगम की साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल, स्ट्रीट लाईट व्यवस्था सहित विभिन्न समस्याओं पर की चर्चा, निराकरण के दिए निर्देश

कोरबा (राज्यभूमि)। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने आज कोरबा जोनांतर्गत स्थित इमलीडुग्गू स्लम बस्ती व उसके विभिन्न मोहल्लों की सकरी गलियों में पैदल भ्रमण कर निगम के साफ-सफाई कार्यो का सघन रूप से जायजा लिया, उन्होने निर्धारित मानदण्डों के अनुरूप नियमित रूप से सफाई कार्य जा री रखने एवं स्वच्छता से जुड़े कार्यो में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के कड़े निर्देश अधिकारियों को दिए। आयुक्त श्री पाण्डेय ने गौमाता चौक व कोरबा पुराने शहर स्थित इतवारी बाजार का भी निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं की दुरूस्तगी के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए।

यहॉ उल्लेखनीय है कि आयुक्त आशुतोष पाण्डेय अपने नियमित प्रातः भ्रमण के दौरान नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र के विभिन्न जोनांतर्गत स्थित वार्डो व बस्तियों का औचक दौरा कर वहॉ की साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, स्ट्रीट लाईट तथा सड़क, नाली सहित अन्य व्यवस्थाओं व समस्याओं का निरीक्षण करते हुए उनके त्वरित निराकरण व समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश नियमित रूप से अधिकारियों को दे रहे हैं। इसी कड़ी में आज गुरूवार को आयुक्त श्री पाण्डेय कोरबा जोन स्थित इमलीडुग्गू स्लम बस्ती पहुंचे, उन्होने बस्ती के विभिन्न मोहल्लों की अंदरूनी व सकरी सड़कों का पैदल भ्रमण करते हुए साफ-सफाई कार्यो का सघन रूप से जायजा लिया, इस दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि साफ-सफाई से जुड़े कार्यो में किसी प्रकार की उदासीनता न बरती जाए तथा निर्धारित मानदण्डो के अनुरूप सफाई कार्य किए जाएं, यह अंतिम रूप से सुनिश्चित किया जाए। इस मौके पर आयुक्त श्री पाण्डेय ने बस्तीवासियों से निगम के साफ-सफाई कार्यो की जानकारी ली तथा पेयजल व्यवस्था, स्ट्रीट लाईट, सड़क, नाली आदि से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की तथा निराकरण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए। आयुक्त श्री पाण्डेय ने गौमाता चौक पहुंचकर वहॉ पर किए गए वृक्षारोपण कार्य के दौरान रोपित पौधों का अवलोकन किया एवं पौधों के संरक्षण व संवर्धन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश भी अधिकारियों को दिए। इस दौरान निगम के अपर आयुक्त विनय मिश्रा, जोन कमिश्नर विनोद शांडिल्य, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी सहित निगम के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सड़क पर नहीं, बाजार में लगाए सब्जी दुकान - भ्रमण के दौरान आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय पुराने कोरबा शहर के इतवारी बाजार पहुंचे, उन्होने बाजार का भ्रमण कर वहॉ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया, साफ-सफाई व बाजार की स्वच्छता का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सड़क के किनारे सब्जी की दुकानें लगने से आवागमन बाधित हो रहा है, अतः सड़कों पर लगने वाले सब्जी दुकानों को बाजार में विस्थापित कराएं ताकि यातायात सुगम हो सके व आमनागरिकों को अनावश्यक परेशानी न हों। उन्होने सड़कों पर सब्जी की दुकान लगाने वाले सब्जी विक्रेताओं से भी अपील की कि वे अपनी दुकानों को इतवारी बाजार के अंदर लगाएं, सब्जी दुकानें सड़कों पर न लगें, इससे आवागमन बाधित होता है, दुर्घटना की संभावना भी बनती है तथा आमनागरिकों को अनावश्यक परेशानी होती है।

निगम ने राताखार नदी किनारे से हटाया अतिक्रमण - नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 04 अंतर्गत राताखार नदी किनारे स्थित कब्रिस्तान के पास कतिपय लोगों द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा था, बांस बल्ली व तिरपाल आदि के माध्यम से घर का स्वरूप दिया गया था, साथ ही अवैध कब्जा करने की नियत से साड़ी, रस्सी इत्यादि का घेरा बना लिया गया था, इसकी जानकारी प्राप्त होते ही आज निगम के अतिक्रमण दस्ते व परिवहन नगर जोन के स्टाफने संयुक्त कार्यवाही करते हुए उक्त सभी अतिक्रमणों को स्थल से हटा दिया गया है।

निगम के फेस आफद मंथ चुने गए मनमोहन, सीताराम, कोडम्बा

उत्कृष्ट कार्यो हेतु निगम के छोटे कर्मचारी हो रहे सम्मानित

कोरबा (राज्यभूमि)। नगर पालिक निगम कोरबा के सहायक ग्रेड-।।। मनमोहन सूर्यवंशी, समयपाल सीताराम पटेल, एवं सफाई कामगार डी.कोडम्बा बाई को सितम्बर माह का ''फेस आफद मंथ'' चुना गया है। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने ''फेस आफद मंथ'' चुने गए इन कर्मचारियों को बधाई दी है तथा कार्य के प्रति उनकी निष्ठा की सराहना की है।

यहॉ उल्लेखनीय है कि से 08 माह पूर्व निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय की विशेष पहल पर निगम का ''फेस आफद मंथ'' चुने जाने का सिलसिला प्रारंभ हुआ था, इसका मुख्य उद्देश्य निगम के उत्कृष्ट कार्य करने वाले तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को सम्मानित करना, उनका उत्साहवर्धन करना एवं अन्य कर्मचारियों को भी इस हेतु प्रेरित व प्रोत्साहित करना था। इसी कड़ी में निगम की सहायक ग्रेड-।।। मनमोहन सूर्यवंशी, समयपाल सीताराम पटेल, एवं सफाई कामगार डी.कोडम्बा बाई को सितम्बर माह हेतु निगम का ''फेस आफद मंथ''चुना गया है।

चयनितों ने जताया आभार - ''फेस आफद मंथ'' चुने गए मनमोहन सूर्यवंशी, सीताराम पटेल, एवं श्रीमती डी.कोडम्बा बाई ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि निगम प्रशासन ने हम लोगों के परिश्रम व कार्य के प्रति हमारी निष्ठा के लिए हमें जो सम्मान दिया है, उसके लिए हम निगम प्रशासन के प्रति दिल से आभारी हैं, उन्होने कहा कि हम अपने आपको सम्मानित महसूस कर रहे हैं, हमें इससे यह प्रेरणा मिली है कि हम आगे और भी अधिक अच्छा कार्य करें, अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते रहें।

समिति करती है फेस आफद मंथ का चयन - आयुक्त ने निगम के फेस आफद मंथ के रूप में कर्मचारियों का चयन किए जाने हेतु समिति का गठन किया है। अपर आयुक्त की अध्यक्षता में गठित इस समिति में अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता (योजना), उपायुक्त (स्थापना प्रभारी), राजस्व अधिकारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी व अध्यक्ष महिला उत्पीडन, उन्मूलन समिति सदस्य के रूप में शामिल किए गए हैं, यह समिति निगम में कार्यरत कर्मचारियों के कार्यो का आंकलन करते हुए माह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 03 कर्मचारियों का चयन ''फेस आफद मंथ'' के रूप में कर रही है।

कर्मचारियों को मिल रहा अच्छे कार्य हेतु प्रोत्साहन - ''फेस आफद मंथ'' चुने जाने की इस पहल से निगम के अधिकारी कर्मचारियों विशेषकर छोटे कर्मियों को उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रोत्साहन प्राप्त हो रहा है तथा उनके बीच अच्छा कार्य करने की प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, वहीं जिन कर्मचारियों को ''फेस आफद मंथ'' चुना जाता है, वे अपने आपको सम्मानित महसूस कर रहे हैं, उन्हें भविष्य में और अधिक अच्छा कार्य करने, कार्यो में उत्कृष्ट परिणाम देने की प्रेरणा मिल रही है।

नदी किनारे मिला नवजात कन्या शिशु का शव

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सिटी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत फोकट पारा मोहल्ले से लगे हसदेव नदी के किनारे पुल के नीचे एक नवजात कन्या शिशु का शव बरामद हुआ है।

बताया जा रहा है कि सुबह यहां बच्चों ने किनारे पर एक गठरी पड़ी हुई देखी और इसमें कुछ होगा, ऐसा सोचकर जब गठरी को खोला तो प्लास्टिक की गठरी खोलते ही भीतर चादर में लिपटा हुआ शिशु नजर आया जो संभवतः अभी 9 माह की उम्र भी अज्ञात मां के गर्भ में पूरी नहीं कर सका था। समय से पहले उसका प्रसव कराया गया है, उसकी नाल में कटर मशीन भी फंसा हुआ है तथा पास में ए पी डायग्नोस्टिक सेंटर कटघोरा का थैला भी मिला है।

जिस तरह से नवजात का शव मिला है, उससे संदेह नहीं कि किसी ने अपनी करतूत को छुपाया है या फिर समय से पूर्व प्रसव करा कर शव को ठिकाने लगाया गया है। मौके पर मिले ए पी डायग्नोस्टिक के थैले ने इस मामले को और भी संदेहास्पद बना दिया है कि क्या इसके तार इस केंद्र से जुड़े हुए हैं या फिर कुछ और बात है? संदेह है कि सोनोग्राफी जांच से गर्भ में कन्या शिशु होने का पता चलने के बाद इस भ्रूण हत्या को अंजाम दिया गया हो, या अवैध संबंध की परिणिति को छिपाने का कृत्य है? बहरहाल, स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पुलिस पहुंची। जांच पड़ताल के बाद ही किसी नतीजे पर पहुंचा जा सकेगा। इस घटना को लेकर फोकटपारा, इंदिरा नगर मोहल्ले में सनसनी व्याप्त है।

राशिफल

मेष : कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। नाजुक संबंधों के बीच भावनात्मक तालमेल बिठाने का प्रयत्न करें। नये कार्यों के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। कुछ सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी।

बृषभ : आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। निर्थक दूसरों की पीठ पीछे आलोचना न करें। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा।

मिथुन : दूसरों की बात इधर से उधर न करें, अन्यथा छवि कुप्रभावित हो सकती है। किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। पारिवारिक वातावरण में मधुरता कायम रखें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

कर्क : किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकषर्ण बढ़ेगा। किसी पुराने संबंधी से आकस्मिक भेंट संभव। कार्यक्षेत्र में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाएंगे। रोजगार में आ रही समस्याओं से हतोत्साहित न हों।

सिंह : असीम प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन मन प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। अतः इसे सुधारें। राजनीतिज्ञों की व्यस्तता बढ़ेगी। मित्रवत संबंधों का लाभ मिलेगा। अच्छी अभिव्यक्ति से संबंध मधुर बनेंगे।

कन्या : बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने की चेष्ठा करें। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन चिंतित होगा। किसी नई दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

तुला : नैतिक-अनैतिक के बारे में सोचने वाला मन भौतिक परिवेश के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ होगा। आर्थिक प्रगति के लिए मन केंद्रित होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलें।

वृश्चिक : आर्थिक सुदृढ़ता हेतु मन प्रयत्नशील होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम तीव्र होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे।

धनु : नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर होगा तथा स्थान परिवर्तन भी संभव। दूसरों की आलोचना का असर अपने मनोबल पर न पड़ने दें। दूसरों की सफलता देख अपने अन्दर हीन भावना न आने दें।

मकर : प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता का योग है। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव।

कुंभ : परिजनों की छोटी-छोटी बातों का बुरा न माने। रोजगार में नये अवसर उत्साह का संचार करेंगे, परन्तु आवेश में कोई निर्णय न लें। आपकी सारी समस्याएं खुद सुलझ जाएंगी, थोड़ा धैर्य पूर्वक वक्त का इंतजार करें।

मीन : ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी। किसी बड़ी यात्रा के प्रति मन उत्साहित होगा। कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेगी। घर में खुशहाली रहेगी।

बालको ने मुख्यमंत्री के कोरबा आगमन पर लगाया स्टॉल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोरबा प्रवास के दौरान जिला कार्यालय परिसर में लगे विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन किया। इस अवसर पर भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) द्वारा लगाए गए सामुदायिक विकास स्टॉल की सराहना की। कंपनी की सामुदायिक विकास स्टॉल ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। स्टॉल में कंपनी की सामाजिक पहल और उनके सकारात्मक प्रभावों को दर्शाया गया।

स्टॉल में बालको की प्रमुख सामुदायिक विकास परियोजना को प्रदर्शित किया गया। इनमें 'उन्नति' पहल शामिल थी, जिसके माध्यम से 5,800 से अधिक महिलाओं को स्व-सहायता समूहों और पारंपरिक हस्तशिल्प से जोड़ा गया है। 'आरोग्य' पहल के अंतर्गत पोषण माह के दौरान संतुलित आहार और एनीमिया निवारण के लिए पोषण चक्र प्रदर्शित किया गया। 'वेदांता स्किल स्कूल' के जरिए अब तक देशभर में 14,000 से अधिक ग्रामीण और जनजातीय युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार उपलब्ध कराया गया है। वहीं, 'मोर जल मोर माटी' पहल से 8,000 से अधिक किसानों को टिकाऊ कृषि, जल प्रबंधन, पशुधन संवर्धन और प्राकृतिक खेती का लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर बालको समर्थित किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) द्वारा स्थानीय धान और मोटे अनाज की विविधताएँ भी प्रदर्शित की गईं। इन परियोजनाओं से शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और पर्यावरण के क्षेत्र में समुदाय के जीवन में उल्लेखनीय बदलाव आया है।

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और अन्य गणमान्य अतिथियों ने स्टॉल का अवलोकन किया और कहा कि बालको की सामुदायिक विकास परियोजनाएँ आमजन के जीवन में वास्तविक बदलाव लाते हुए सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

जेसीआई ने किया अशोक वाटिका में रस्साकशी व योग चुनौती का आयोजन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जेसीआई कोरबा सेंट्रल ने जेसी सप्ताह के तृतीय दिवस में सर्वजनों के लिए अशोक वाटिका में टग ऑफ वार व योगा चैलेंज नाम से कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें रस्साकशी खेल व सूर्य-नमस्कार, वृक्षासन सहित विभिन्न योग-आसानों की प्रतियोगिता करवाई गई। अशोक वाटिका में उपस्थित मोर्निंग वाक ग्रुप सहित लगभग 50 लोगों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से लोगों में जुड़ाव बना रहता है। रस्साकशी प्रतियोगिता के विजेता चैम्बर अध्यक्ष योगेश जैन व टीम रही। वहीं योग चुनौती के विजेता मुकेश गोयल, दीपक केंवट, श्यामलाल साहू, नवीन अग्रवाल, नीरज अग्रवाल व जेसी हर्ष गुप्ता रहे। विजेताओं को जेसीआई ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के दौरान जेसीआई के पूर्व अध्यक्ष ई राज अग्रवाल, आनंद रैकवार, आनंद अग्रवाल, अध्यक्ष सीए अभिषेक अग्रवाल, कार्यक्रम निदेशक डॉ. ज्योतिबाला, सचिव सीए अंकित अग्रवाल, उपाध्यक्ष आयुष अग्रवाल, कपिल विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष सीए त्रिलोकीनाथ बजाज, जेसीरेट अध्यक्षा सीए आयुषी अग्रवाल, मोरध्वज गर्ग सहित अन्य उपस्थित रहे।

उमंग दिव्यांग स्कूल में हुए जुंबा, हेल्थ-कैंप व इंडोर खेल

डिंगापुर स्थित उमंग दिव्यांग स्कूल में बच्चों को जुंबा, स्वास्थ-जांच शिविर व इंडोर खेल का आयोजन कराया गया। संस्था के सचिव सीए अंकित अग्रवाल ने बताया कि जेसीआई ने डॉ. सरफराज खान, डॉ. ज्योतिबाला, डॉ निलेश भट्ट, डॉ चंदा सेठिया सहित शहर के मशहूर चिकित्सकों की टीम की मदद से स्कूल के सभी बच्चों का स्वास्थ-जांच करवाया। डॉ ज्योतिबाला द्वारा संचालित चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर की टीम की मदद से सभी बच्चों को जुंबा डांस कराया गया। अंत में कुर्सी-दौड़, लूडो, कैरम, आदि खेल खिलाए गए। बच्चों द्वारा स्वेच्छा से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किया गया। मंचीय कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी चिकित्सकों ने घोषणा किया कि स्कूल के सभी बच्चों के लिए उनके क्लिनिक में स्वास्थ सेवाए भविष्य में निःशुल्क रहेगी। संस्था द्वारा सभी बच्चों को केक, बिस्कुट व पेंसिल-किट का वितरण किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि नगर निगम सभापति नूतन सिंह ठाकुर व विशिष्ट अतिथि वार्ड क्र. 5 के पार्षद तामेश अग्रवाल रहे।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनाः बचत, सुविधा और स्वच्छ ऊर्जा का संगम

हर महीने का दो का बिल अब हुआ खत्म, सब कुछ चला सूरज की किरणों से

कोरबा (छ.ग.गौरव)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में चलाई जा रही प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का लाभ आज आम नागरिकों तक पहुँच रहा है। यह योजना न केवल बिजली की खपत और खर्च को कम कर रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और हरित ऊर्जा की दिशा में भी एक सशक्त कदम साबित हो रही है। इसी योजना से प्रेरित होकर कोरबा जिले के टेकराम मरावी ने अपने घर को सौर ऊर्जा से रोशन करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। श्री मरावी, जो कि सीएसईबी में कर्मचारी हैं, ने इस साल 2025 में अपने घर पत्थरीपारा, सीएसईबी कॉलोनी, इंदिरा चौक, कोरबा में 03 किलोवाट का सौर संयंत्र स्थापित किया।

टेकराम मरावी को योजना की जानकारी समाचार माध्यमों तथा अपने निजी परिवारजनों से प्राप्त हुई। योजना की विस्तृत जानकारी लेने और इसके लाभों को समझने के बाद उन्होंने इसमें शामिल होने का निर्णय लिया। उनका कहना है कि यह योजना लोगों के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिससे वे ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बन सकते हैं। सौर संयंत्र लगाने में आने वाले कुल खर्च का बड़ा हिस्सा केंद्र सरकार की ओर से दी जाने वाली सब्सिडी से पूरा हुआ। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत श्री मरावी को रूपये 78 हजार की

सब्सिडी प्राप्त हुई। इस आर्थिक सहयोग ने उनके निर्णय को और आसान बना दिया और उन्हें आर्थिक रूप से बड़ी राहत भी मिली।

सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने से पहले टेकराम मरावी को हर महीने रूपये 1500दो हजार तक का बिजली बिल चुकाना पड़ता था। लेकिन अब सौर ऊर्जा संयंत्र से पूरे घर की जरूरतें पूरी हो रही हैं और उनका बिजली बिल शून्य हो गया है। घर के सभी घरेलू उपकरण जैसे पंखे, फ्रिज, टीवी, कूलर, वॉशिंग मशीन और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएँ अब सौर ऊर्जा से संचालित हो रही हैं। श्री मरावी बताते हैं कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना एक क्रांतिकारी पहल है, जिसने उनके जीवन में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने इसे बहुत अच्छा और बेहतरीन अनुभव बताया और कहा कि यह योजना हर घर के लिए अत्यंत लाभकारी है।उनका कहना है कि इससे न केवल आर्थिक बचत हो रही है, बल्कि भविष्य में ऊर्जा की स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी योगदान मिल रहा है। अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएँ। उनका मानना है कि यदि हर घर इस दिशा में कदम बढ़ाए, तो देश बिजली उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो सकता है और प्रदूषण जैसी समस्याओं से भी काफी हद तक बचा जा सकता है।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि सरकार की इस पहल ने आम नागरिकों को राहत देने के साथ ही उन्हें नई दिशा दिखाई है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की वजह से अब उनका घर हर दिन सूरज की किरणों से ऊर्जा प्राप्त कर रोशन हो रहा है और वे खुद को ऊर्जा आत्मनिर्भर महसूस कर रहे हैं।

एनडीआरएफ के जवान हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के अखाड़ा बाजार में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में खोज और बचाव अभियान चलाते हुए।

पंजाब के अमृतसर जिले के अजनाला में अधिकारी नाव से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए।

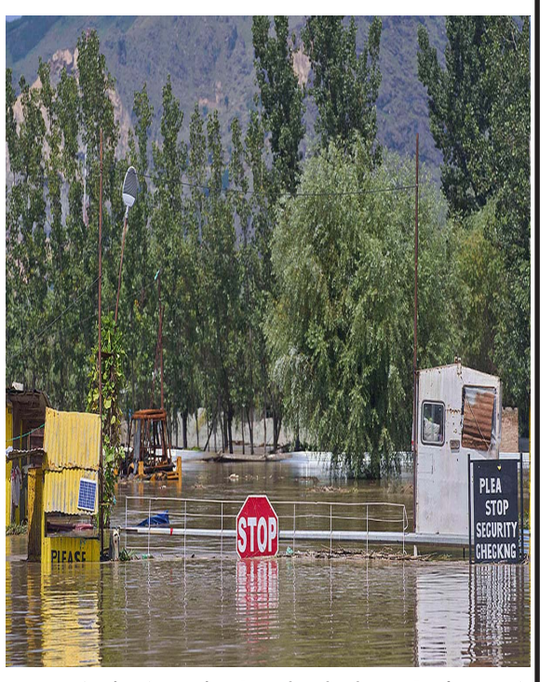

कश्मीर के श्रीनगर के दक्षिण में पंपोर में एक निर्माण कंपनी का प्रवेश द्वार बाढ़ के पानी से घिरा हुआ है।

पश्चिम बंगाल के नदिया ज़िले में एक नाबालिग की मौत में कथित तौर पर शामिल होने के आरोप में भीड़ द्वारा एक जोड़े की पीट-पीटकर हत्या और उनकी संपत्ति में तोड़फोड़ के बाद पुलिसकर्मी जाँच कर रहे हैं। शुक्रवार दोपहर से लापता एक लड़के का शव शनिवार को एक तालाब में मिला।

हिमाचल प्रदेश के ऊना में गगरेट के मंघुवाल के पास नियंत्रण से बाहर होने के बाद एक बुरी तरह क्षतिग्रस्त एम्बुलेंस खाई में पड़ी है।

तीन बच्चों के साथ चार साल से फरार पिता को पुलिस ने मुठभेड़ में किया ढेर, दो बच्चे अब भी लापता

वेलिंगटन,12 सितंबर(एजेंसी)। फिलिप्स को मई 2023 में बैंक डकैती के दौरान भी देखा गया था, जब वह एक बच्चे के साथ था और उसने एक नागरिक पर गोली चलाई थी। अगस्त 2024 में वह आखिरी बार सीसीटीवी में दिखा, जब उसने एक ग्रोसरी स्टोर में चोरी की। फिलिप्स और उसके बच्चों के गुमशुदगी के इस मामले ने पूरे न्यूजीलैंड को झकझोर दिया था। अब पुलिस की पूरी कोशिश दो लापता बच्चों को ढूंढ़ने की है।

न्यूजीलैंड में लगभग चार साल से अपने तीन बच्चों के साथ फरार एक व्यक्ति को पुलिस ने सोमवार को मुठभेड़ में गोली मार दी। यह शख्स 2021 से देश की पुलिस के लिए सबसे बड़ी पहेली बना हुआ था। मारे गए व्यक्ति की पहचान आधिकारिक रूप से नहीं हुई है, लेकिन न्यूजीलैंड की एक्टिंग डिप्टी पुलिस कमिश्नर जिल रोजर्स ने बताया कि पुलिस को पूरा भरोसा है कि यह टॉम फिलिप्स ही है। फिलिप्स के परिजनों ने भी स्थानीय मीडिया को उसकी मौत की पुष्टि की है।घटना सोमवार सुबह की है, जब फिलिप्स ने अपने एक बच्चे के साथ एक कृषि सामान की दुकान में चोरी की। पुलिस के पहुंचते ही उसने गोली चला दी, जिसमें एक पुलिस अधिकारी के सिर में गंभीर चोट आई। अधिकारी की हालत नाजुक है और उसका ऑपरेशन चल रहा है। इसके बाद घटनास्थल से फिलिप्स को मार गिराया गया और उसके साथ मौजूद एक बच्चे को सुरक्षित हिरासत में ले लिया गया।फिलिप्स के दो अन्य बच्चे अब भी लापता हैं। पुलिस को उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता है। हिरासत में लिया गया बच्चा जांच में सहयोग कर रहा है। फिलिप्स के पास बच्चों की कानूनी कस्टडी नहीं थी। पुलिस का कहना है कि इन चार वर्षों में बच्चों को न तो स्कूल की शिक्षा मिली और न ही स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच। पुलिस का मानना है कि किसी ने फिलिप्स को इतने वर्षों तक छिपने में मदद की। इलाके के कुछ

लोग उसके समर्थन में भी थे। बच्चों को ढूंढ़ने के लिए पिछले साल 80,000 न्यूजीलैंड डॉलर (करीब 47 लाख रुपये) का इनाम और सूचना देने वालों को कानूनी छूट का वादा किया गया था, लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं मिली।सितंबर 2021 में भी फिलिप्स बच्चों को लेकर गायब हो गया था। उस समय समुद्र और जंगलों में तीन हफ्ते तक खोजबीन चली, क्योंकि उसकी गाड़ी समुद्र तट पर लावारिस मिली थी। पुलिस को लगा कि परिवार की मौत हो चुकी है, लेकिन बाद में फिलिप्स बच्चों के साथ जंगल से अचानक निकल आया और बोला कि वे कैंपिंग कर रहे थे। उस पर पुलिस संसाधन बर्बाद करने का केस चला और जनवरी 2022 में कोर्ट में पेश होना था, लेकिन उससे कुछ हफ्ते पहले ही वह बच्चों के साथ फिर से गायब हो गया और फिर कभी नहीं लौटा।बच्चों की मां कैट ने रेडियो न्यूजीलैंड को दिए बयान में कहा कि वह राहत महसूस कर रही हैं कि अब बच्चों का कष्ट खत्म हुआ। उन्होंने कहा, हमने लगभग चार साल तक उन्हें हर दिन बहुत याद किया। अब उन्हें प्यार और देखभाल के साथ घर लाने का इंतजार है।

पुलिस ने 400 से ज्यादा फिलिस्तीन समर्थकों को किया गिरफ्तार, ब्रिटेन की संसद के बाहर ऐसा क्या हुआ कि मचा हड़कंप?

लंदन ,12 सितंबर (एजेंसी)। ब्रिटेन की संसद के बाहर फिलिस्तीन समर्थक एक समूह पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ हुए एक विशाल विरोध प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया, जिसके बाद लंदन पुलिस ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए 400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर लिया। यह प्रदर्शन ब्रिटेन सरकार द्वारा 'फिलिस्तीन एक्शन' समूह को एक आतंकवादी संगठन घोषित करने के फैसले के विरोध में आयोजित किया गया था, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए।प्रदर्शन का आयोजन करने वाले समूह 'डिफेंड अवर ज्यूरीज' के अनुसार, इस रैली में लगभग 1500 लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने 'मैं नरसंहार का विरोध करता हूं, मैं फिलिस्तीनी कार्रवाई का समर्थन करता वाली तख्तियां ले रखी थीं। देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया और पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार करना शुरू कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया की मशरूम किलर को उम्रकैद की सजा, पूरी दुनिया में चर्चित हुआ ये मामला

मेलबन,12 सितंबर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की मशरूम किलर को वहां की एक अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। सजा के तहत दोषी महिला को 33 साल बाद ही जमानत मिल सकेगी। ऑस्ट्रेलिया के इस मामले पर पूरी दुनिया की नजर थी क्योंकि जिस तरीके से दोषी महिला एरिन पैटर्सन ने अपने पूर्व पति के माता-पिता की हत्या की थी, उसने पूरी दुनिया को चकित कर दिया था। दरअसल एरिन पैटर्सन ने अपने पूर्व पति के माता-पिता समेत तीन लोगों को जहरीली मशरूम खिलाकर मार डाला था। 50 वर्षीय पैटर्सन को जुलाई में हत्या का दोषी करार दिया गया था और अब सोमवार को अदालत ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई। एरिन ने साल 2023 में अपने पूर्व पति के माता-पिता और अंकल-आंटी को अपने घर खाने पर बुलाया था। इस दौरान एरिन ने खाने में जहरीली मशरूम मिला दी, जिसे खाने से तीन लोगों की मौत हो गई। पूरी दुनिया में यह मामला मशरूम मर्डर के नाम से चर्चित हुआ। अभी तक इन हत्याओं के पीछे की वजह पता नहीं है। एरिन का दावा है कि उसने अनजाने में खाने में जहरीली मशरूम मिला दी थी। हालांकि अदालत ने उसके दावे को नहीं माना। जिस वक्त महिला ने अपने पूर्व पति के परिवारवालों को जहरीली मशरूम खिलाकर मारा, उस वक्त उसका अपने पति से झगड़ा चल रहा था और बच्चों के खर्च को लेकर दोनों के बीच विवाद था। अदालत के आदेश के तहत 33 साल बाद ही एरिन को जमानत मिल सकेगी और उस वक्त वह करीब 83 साल की हो जाएगी। इस तरह एरिन की बाकी जिंदगी अब जेल में ही गुजरेगी। हालांकि अभी एरिन के पास सजा के खिलाफ अपील के लिए 28 दिन का समय बाकी है।

तेल पर और ज्यादा रियायत और एस-400 की सप्लाई बढ़ाएगा रूस, अमेरिकी टैरिफ के बीच पुतिन का भारत को तोहफा

मॉस्को ,12 सितंबर (एजेंसी)। सितंबर माह में भारत द्वारा खरीदे गए रूसी कच्चे तेल में अगस्त के मुकाबले 10-20 प्रतिशत का उछाल आया था यानी कि भारत ने रूस से 1.50 लाख से 3 लाख बैरल की अतिरिक्त खरीद की थी। अब और छूट मिलने पर यह संख्या और बढ़ सकती है। भारत द्वारा रूस से खरीदे जा रहे कच्चे तेल पर जल्द ही और ज्यादा रियायत मिल सकती है। साथ ही भारत और रूस से और एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम भी मिल सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है। अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ दबाव बनाने के बीच ये रूसी राष्ट्रपति पुतिन का भारत के लिए तोहफा माना जा रहा है। भारत पहले ही रूस से डिस्काउंट पर तेल खरीद रहा है और अब और ज्यादा डिस्काउंट मिलने से भारत का काफी पैसा बचेगा। कच्चे तेल पर रियायत से मिलेगी बड़ी राहतमीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूराल क्रूड की कीमत अब ब्रेंट क्रूड की तुलना में 3-4 डॉलर प्रति बैरल कम हो सकती है। सितंबर के अंत में और अक्तूबर माह में इस छूट का लाभ मिल सकता है। बीते

हफ्ते यह छूट 2.50 डॉलर प्रति बैरल थी और जुलाई माह में यह 1 डॉलर प्रति बैरल थी। बीते महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिनमें से 25 प्रतिशत टैरिफ रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए लगाया गया था। अमेरिका का आरोप है कि भारत के रूस से कच्चा तेल खरीदने से यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषण मिल रहा है। टैरिफ से भारत पर आर्थिक दबाव पड़ा है, लेकिन अब अगर रूस से कच्चे तेल पर और ज्यादा रियायत मिलती है तो यकीनन इससे भारत पर पड़ रहा आर्थिक दबाव कुछ हद तक कम होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सितंबर माह में भारत द्वारा खरीदे गए रूसी कच्चे तेल में अगस्त के मुकाबले 10-20 प्रतिशत का उछाल आया था यानी कि भारत ने रूस से 1.50 लाख से 3 लाख बैरल की अतिरिक्त खरीद की थी। अब और छूट मिलने पर यह संख्या और बढ़ सकती है। भारत को एस-400 की सप्लाई बढ़ेगी

मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया है कि भारत और रूस के बीच एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की खरीद को लेकर बातचीत चल रही है। भारत और रूस के बीच साल 2018 में ही 5.5 अरब डॉलर में पांच एस-400 डिफेंस सिस्टम की डील हुई थी, जिनमें से तीन सिस्टम भारत को मिल चुके हैं और बाकी दो एस-400 सिस्टम साल 2026 और 2027 में मिलने की उम्मीद है। रूस की फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री टेक्निकल कॉपरेशन के मुखिया दिमित्री सुगायेव के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि एस-400 को लेकर दोनों देश सहयोग बढ़ाने पर बातचीत कर रहे हैं और इसके चलते और डील हो सकती है और फिलहाल इसके लिए बातचीत चल रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 सिस्टम ने अहम भूमिका निभाई थी और भारतीय एयर डिफेंस को चाक-चौबंद बनाने में शानदार काम किया था। यही वजह रही

ऐसे लोगों पर नहीं लागू कर सकते कानून, एलियन एनिमीज एक्ट 1798 के इस्तेमाल पर ट्रंप को संघीय अदालत से झटका

वाशिंगटन,12 सितंबर (एजेंसी)। एक संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को करारा झटका दिया है। एलियन एनमीज एक्ट, 1798 के इस्तेमाल के मामले में संघीय अपील अदालत ने मंगलवार को फैसला सुनाया। इसमें अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 18वीं सदी के युद्धकालीन कानून एलियन एनमीज एक्ट, 1798 का इस्तेमाल उन लोगों को तेजी से निर्वासित करने के लिए नहीं कर सकते जिन्हें उनकी सरकार वेनेजुएला के आपराधिक गिरोह का सदस्य बताती है। अमेरिका की 5वीं सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने 2-1 के फैसले में निचली अदालतों और आप्रवासी अधिकार कार्यकर्ताओं की दलील से सहमति जताई।

अदालत ने कहा कि यह कानून केवल युद्धकाल में दुश्मन देशों के नागरिकों के खिलाफ लागू करने के लिए बना था, न कि आपराधिक संगठनों जैसे ट्रेन डे अरागुआ के खिलाफ इस्तेमाल के लिए। बता दें कि ट्रेन डे अरागुआ के खिलाफ ट्रंप प्रशासन ने मार्च में कार्रवाई शुरू की थी। ट्रंप प्रशासन ने ट्रेन डे अरागुआ से जुड़े लोगों को निर्वासित कर अल सल्वाडोर की कुख्यात जेल में भेज दिया था और दलील दी थी कि अमेरिकी अदालतें उन्हें वहां से रिहा करने का आदेश नहीं दे सकतीं। अदालत का यह फैसला तब आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति टैरिफ समेत अपने कई फैसलों को लेकर आलोचनाएं झेल रहे हैं। ऐसे में ट्रंप की आव्रजन नीति के लिए यह फैसला बड़ा झटका माना जा रहा है।

किम जोंग उन विशेष बख्तरबंद ट्रेन से बीजिंग पहुंचे, सैन्य परेड में हिस्सा लेंगे

बीजिंग ,12 सितंबर (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन मंगलवार को विशेष हरे रंग की बख्तरबंद ट्रेन से चीन की राजधानी बीजिंग पहुंच गए हैं। यहां वे सैन्य परेड में हिस्सा लेंगे। उत्तर कोरिया के सरकारी अखबार रोडोंग सिनमुन ने बताया कि किम सोमवार को प्योंगयांग से रवाना हुए थे और मंगलवार सुबह बीजिंग पहुंच गए। द्वितीय विश्व युद्ध के अंत में जापान पर चीन की जीत की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बीजिंग में बुधवार को सैन्य परेड का आयोजन होगा।

परेड में किम और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत विश्व के 26 नेताओं को आमंत्रित किया गया है, जो शी जिनपिंग के साथ परेड में शामिल होंगे। किम, पुतिन और शी का एक मंज पर आना अमेरिका के खिलाफ त्रिपक्षीय एकता का प्रदर्शन भी होगा। ऐसा पहली बार है ।

धंधे के लिए ट्रंप ने जोड़ा इस्लामाबाद से रिश्ता, तोड़ा इंडिया का दिल

यूएस के फॉर्मर एनएसए जेक सुलिवन का खुलासा

वॉशिंगटन,12 सितंबर (एजेंसी)। डीसी,02 सितंबर। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान द्वारा ट्रंप के परिवार के साथ व्यापार करने की इच्छा के कारण भारत के साथ संबंध तोड़ दिए.

मीडासटच नेटवर्क के यूट्यूब चैनल को दिए एक साक्षात्कार में, सुलिवन ने भारत-अमेरिका संबंधों के महत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि ट्रंप का यह कदम अमेरिका के सहयोगियों के वाशिंगटन पर विश्वास को कम करता है.जेक सुलिवन ने मीडासटच को बताया, अमेरिका ने भारत के साथ संबंध बनाने के लिए काम किया है, एक ऐसा देश जिसके साथ हमें तकनीक, प्रतिभा, अर्थशास्त्र और कई मुद्दों पर तालमेल बिठाना चाहिए. और चीन से आने वाले रणनीतिक खतरों से निपटने के लिए भी. अब, मुझे लगता है कि पाकिस्तान की ट्रंप परिवार के साथ व्यापार करने की इच्छा के कारण, ट्रंप ने भारत के साथ संबंधों को दरकिनार कर दिया है. जर्मनी या जापान उस (भारत) को देखेंगे और कहेंगे कि कल हम भी ऐसा कर सकते हैं. अमेरिका के दोस्त सोचेंगे कि वे किसी भी तरह से हम पर भरोसा नहीं कर सकते.

सुलिवन की यह टिप्पणी वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है, क्योंकि भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है. इसमें रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का जुर्माना भी शामिल है. इससे पहले, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने विश्वास व्यक्त किया था कि भारत और अमेरिका अपने बीच व्यापार तनाव को सुलझा लेंगे, क्योंकि उनका मानना था कि नई दिल्ली के मूल्य चीन और रूस की तुलना में वाशिंगटन के ज़्यादा करीब हैं.फॉक्स बिजनेस को दिए एक साक्षात्कार में, स्कॉट बेसेंट ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के महत्व को कम करके आंका और इसे काफी हद तक औपचारिक बताया. बेसेंट ने कहा, यह एक लंबे समय से चली आ रही बैठक है, इसे शंघाई सहयोग संगठन कहा जाता है और मुझे लगता है कि यह काफी हद तक औपचारिक है.उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि अंततः भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला लोकतंत्र है. उनके मूल्य रूस की तुलना में हमारे और चीन के ज़्यादा करीब हैं.उन्होंने फॉक्स बिजनेस को बताया, मुझे लगता है कि अंततः दो महान देश इस समस्या का समाधान निकाल लेंगे. लेकिन रूसी तेल खरीदने और फिर उसे बेचने, यूक्रेन में रूसी युद्ध प्रयासों को वित्त पोषित करने के मामले में भारत कोई बड़ी भूमिका नहीं निभा रहा है.

दूसरी ओर, व्हॉइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात पर भारत पर निशाना साधा. पत्रकारों से बात करते हुए, नवारो ने प्रधानमंत्री मोदी की सत्तावादी के साथ हमबिस्तर होने की आलोचना की और इस मुलाकात को शर्मनाक बताया.

यह देखकर शर्म आती है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता मोदी दुनिया के दो सबसे बड़े तानाशाहों - पुतिन और शी जिनपिंग - के साथ घुल-मिल गए. इसका कोई मतलब नहीं है. मुझे समझ नहीं आ रहा कि वह क्या सोच रहे हैं. पीटर नवारो ने कहा, हमें उम्मीद है कि वह इस बात को समझेंगे कि उन्हें रूस के साथ नहीं, बल्कि हमारे साथ, यूरोप और यूक्रेन के साथ रहना चाहिए.प्रधानमंत्री मोदी ने एससीओ में अपने संबोधन में व्यापार को बढ़ावा देने के लिए सदस्यों के बीच संपर्क बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया.

डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार ने कहा-भारत को रूस की नहीं अमेरिका के साथ की जरूरत

वाशिंगटन,12 सितंबर (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो एक बार फिर रूस और भारत के व्यापारिक संबंधों की आलोचना की है। उन्होंने चीन के तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात को शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा कि भारत को रूस के साथ नहीं बल्कि अमेरिका के साथ रहने की जरूरत है।पीटर नवारो ने पत्रकारों से कहा, प्रधानमंत्री मोदी को इस मामले में यूरोप और यूक्रेन में हमारे साथ होना चाहिए, न कि रूस के साथ, और उन्हें तेल खरीदना बंद करना चाहिए। शांति का मार्ग कई मायनों में कम से कम आंशिक रूप से नई दिल्ली से होकर गुजरता है। अब समय आ गया है कि मोदी आगे आएं। मैं मोदी का बहुत सम्मान करता हूँ। मैं भारतीय लोगों से प्यार करता हूं।नवारो ने चीन के साथ भारत के शत्रुतापूर्ण इतिहास और दिल्ली की रणनीति की ओर इशारा करते हुए आगे कहा, मोदी को दुनिया के 2 सबसे बड़े तानाशाह पुतिन और शी जिनपिंग के साथ मिलते देखना शर्मनाक है। इसका कोई मतलब नहीं है। मुझे यकीन नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी क्या सोच रहे हैं, खासकर तब जब भारत दशकों से चीन के साथ शीत युद्ध और कभी-कभी गर्म युद्ध में रहा है।नवारों का बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है और रूस के साथ तेल व्यापार को लेकर चिढ़ा हुआ है। इससे पहले नवारों भारत को टैरिफ का महाराजा कह चुके हैं और कहा था कि रूस से तेल खरीदकर भारत मुनाफाखोरी में लगा है।

उन्होंने यूक्रेन युद्ध को मोदी का युद्ध और भारत को रूस का धोबीघाट कहा था। उन्होंने कहा था, ब्राह्मण भारतीय लोगों की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं।एससीओ शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्रीय एकीकरण के महत्व पर ज़ोर दिया और सदस्यों से व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने का आग्रह किया। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने इस संगठन की रणनीतिक भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि एससीओ वार्ता एक नए यूरेशियाई सुरक्षा ढाँचे की नींव रख रही है। चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने राष्ट्राध्यक्षों की परिषद की 25वीं बैठक को संबोधित कर एससीओ से निष्पक्षता-न्याय के लिए एक आधार के रूप में कार्य करने का आह्वान किया।

सम्पादकीय...

राहत पैकेज पर राजनीति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाढ़ प्रभावित पंजाब और हिमाचल प्रदेश को कुल 3,100 करोड़ रुपये की सहायता राशि का ऐलान किया है। दोनों राज्यों में मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। पंजाब 1988 के बाद से सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है जबकि उसके पड़ोसी हिमाचल प्रदेश में बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही हुई है। प्रधानमंत्री ने दोनों राज्यों के प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। पंजाब के गुरदासपुर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ-साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों से भी मुलाकात की और अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति का जायजा लिया और बाढ़ से निपटने के लिए राज्य को 1600 करोड़ रुपये की सहायता देने की घोषणा की। पंजाब में विनाशकारी बाढ़ से कुल 2,064 गांव प्रभावित हुए हैं, जिनमें सबसे अधिक 329 गांव गुरदासपुर जिले में हैं। पूरे राज्य में मरने वालों की संख्या 51 हो गई है, जबकि 1.84 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं। राज्य सरकार ने बाढ़ से 13,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान होने का अनुमान लगाया है। इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री मोदी ने वर्षा प्रभावित हिमाचल प्रदेश के लिए 1,500 करोड़ रुपये की तत्काल राहत की घोषणा की। उन्होंने सबसे पहले प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया और फिर राहत एवं पुनर्वास उपायों की समीक्षा तथा क्षति का आकलन करने के लिए कांगड़ा में अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मोदी ने प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बहाल करने और पुनर्निर्माण के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। वित्तीय सहायता के तौर पर 1,500 करोड़ रुपये की राशि पीएम किसान सम्मान निधि और राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष की दूसरी किस्त के रूप में जारी की जाएगी। मोदी ने पूरे क्षेत्र और लोगों को फिर से पटरी पर लाने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। आपदा की इस घड़ी में भी राहत पैकेज को लेकर राजनीति की जा रही है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। पक्ष और विपक्ष दोनों आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। पंजाब में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए राहत पैकेज को लेकर कुछ ऐसे बयान पंजाब के विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं से आये हैं जो समय की नजाकत को देखते हुए नहीं आने चाहिए थे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने राहत पैकेज की घोषणा करते हुए स्पष्ट कहा कि यह एक शुरुआती राहत है, इसके बाद केंद्रीय टीमें जब अपनी रिपोर्ट देंगी उसके बाद केंद्र सरकार फिर राहत पैकेज की घोषणा करेगी। केंद्र सरकार द्वारा आपदा के लिए दिए पहले 12000 करोड़ रुपए से अलग है, यह 1600 करोड़ रुपए की राशि वर्तमान पैकेज राशि को 'फर्स्ट ऐड' की तरह देखना चाहिए। आपदा के समय में 'फर्स्ट ऐड' का भी विशेष महत्त्व है, स्थाई इलाज तो बाद में ही किया जाता है। 'फर्स्ट ऐड' देने वाले का धन्यवाद करने की बजाय उसके किए को नजरअंदाज नजरअंदाजकरना उचित नहीं। पंजाब सरकार 20000 करोड़ मांग रही है। पंजाब के अधिकारी 13 हजार करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान लगा रहे हैं। इससे यही समझा जा सकता है कि धरातल स्तर पर कितना नुकसान हुआ है, उसका अभी कुछ पता नहीं। अब तक अंदाजे ही लग रहे हैं। पानी जब कम होगा या सूख जाएगा तभी स्थिति स्पष्ट होगी। मान सरकार ने प्रति खेत 20000 रुपए देने की घोषणा की है, उस पर भी टिप्पणियां की जा रही हैं। मात्र राजनीतिक स्वार्थ के लिए प्रदेश या केंद्र सरकार द्वारा दिए राहत पैकेज को आधार बनाना उचित नहीं। गुरदासपुर में किसानों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को दिए गये सुझावों में से एक यह था कि पैकेज की राशि सीधी किसानों के खाते में जाए क्योंकि 2023 की बाढ़ के प्रभावितों को अभी तक वह राशि नहीं मिली, यह अति चिंता का विषय है। सरकार को इस मुद्दे को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। पंजाब सरकार को समझना होगा कि यह सुझाव कम और सरकार पर आरोप अधिक है, इससे सरकार की कारगुजारी पर भी उंगली उठती है। नये राहत पैकेज से पहले 2023 की राहत राशि इस आपदा के समय में किसानों को मिल जाए तो वह भी एक बड़ी राहत होगी। समय की मांग है कि सभी राजनीतिक दल एकजुट होकर राहत कार्यों में लगे और केंद्र सरकार से राहत पैकेज लेने के लिए जल्द से जल्द स्थिति की रिपोर्ट केंद्र को भेजे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाढ़ प्रभावित पंजाब और हिमाचल प्रदेश को कुल 3,100 करोड़ रुपये की सहायता राशि का ऐलान किया है। दोनों राज्यों में मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। पंजाब 1988 के बाद से सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है जबकि उसके पड़ोसी हिमाचल प्रदेश में बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही हुई है। प्रधानमंत्री ने दोनों राज्यों के प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। पंजाब के गुरदासपुर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ-साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों से भी मुलाकात की और अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति का जायजा लिया और बाढ़ से निपटने के लिए राज्य को 1600 करोड़ रुपये की सहायता देने की घोषणा की। पंजाब में विनाशकारी बाढ़ से कुल 2,064 गांव प्रभावित हुए हैं, जिनमें सबसे अधिक 329 गांव गुरदासपुर जिले में हैं। पूरे राज्य में मरने वालों की संख्या 51 हो गई है, जबकि 1.84 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं। राज्य सरकार ने बाढ़ से 13,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान होने का अनुमान लगाया है। इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री मोदी ने वर्षा प्रभावित हिमाचल प्रदेश के लिए 1,500 करोड़ रुपये की तत्काल राहत की घोषणा की। उन्होंने सबसे पहले प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया और फिर राहत एवं पुनर्वास उपायों की समीक्षा तथा क्षति का आकलन करने के लिए कांगड़ा में अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मोदी ने प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बहाल करने और पुनर्निर्माण के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। वित्तीय सहायता के तौर पर 1,500 करोड़ रुपये की राशि पीएम किसान सम्मान निधि और राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष की दूसरी किस्त के रूप में जारी की जाएगी। मोदी ने पूरे क्षेत्र और लोगों को फिर से पटरी पर लाने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। आपदा की इस घड़ी में भी राहत पैकेज को लेकर राजनीति की जा रही है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। पक्ष और विपक्ष दोनों आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। पंजाब में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए राहत पैकेज को लेकर कुछ ऐसे बयान पंजाब के विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं से आये हैं जो समय की नजाकत को देखते हुए नहीं आने चाहिए थे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने राहत पैकेज की घोषणा करते हुए स्पष्ट कहा कि यह एक शुरुआती राहत है, इसके बाद केंद्रीय टीमें जब अपनी रिपोर्ट देंगी उसके बाद केंद्र सरकार फिर राहत पैकेज की घोषणा करेगी। केंद्र सरकार द्वारा आपदा के लिए दिए पहले 12000 करोड़ रुपए से अलग है, यह 1600 करोड़ रुपए की राशि वर्तमान पैकेज राशि को 'फर्स्ट ऐड' की तरह देखना चाहिए। आपदा के समय में 'फर्स्ट ऐड' का भी विशेष महत्त्व है, स्थाई इलाज तो बाद में ही किया जाता है। 'फर्स्ट ऐड' देने वाले का धन्यवाद करने की बजाय उसके किए को नजरअंदाज करना उचित नहीं।

मिज़ोरम को जोड़ना

अश्विनी वैष्णव

कई दशकों तक, पूर्वोत्तर को विकास की बाट जोहते एक सुदूर सीमांत क्षेत्र माना जाता था। पूर्वोत्तर राज्यों में रहने वाले हमारे भाई-बहन प्रगति की आकांक्षाएँ तो रखते थे, लेकिन वे जिस बुनियादी ढाँचे और अवसरों के हक़दार थे, वे उनकी पहुँच से दूर ही रहे। यह सब तब बदल गया जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एक्ट ईस्ट नीति की शुरुआत की। एक सुदूर सीमांत क्षेत्र से, पूर्वोत्तर अब एक अग्रणी क्षेत्र के रूप में पहचाना जाने लगा है।

शांति, प्रगति और समृद्धि-यह परिवर्तन रेलवे, सड़कों, हवाई अड्डों और डिजिटल कनेक्टिविटी में रिकॉर्ड निवेश के माध्यम से संभव हुआ है। शांति समझौते स्थिरता ला रहे हैं। लोग सरकारी योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। आज़ादी के बाद पहली बार, पूर्वोत्तर क्षेत्र को भारत की विकास गाथा के केंद्र में देखा जा रहा है। उदाहरण के लिए, रेलवे में निवेश पर विचार करें। इस क्षेत्र के लिए रेल बजट आवंटन 2009-14 की तुलना में पाँच गुना बढ़ा है। अकेले इस वित्तीय वर्ष में 10,440 करोड़ आवंटित किए गए हैं। 2014 से 2025 तक कुल बजटीय आवंटन 62,477 करोड़ है। आज, 77,000 करोड़ मूल्य की रेलवे परियोजनाएँ चल रही हैं। इससे पहले पूर्वोत्तर में निवेश का इतना रिकॉर्ड स्तर कभी नहीं देखा गया।

मिज़ोरम का पहला-मिज़ोरम इस विकास गाथा का हिस्सा है। यह राज्य अपनी समृद्ध संस्कृति, खेलप्रेम और खूबसूरत पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। फिर भी, दशकों तक यह संपर्क की मुख्यधारा से दूर रहा।

सड़क और हवाई संपर्क सीमित था। रेलवे इसकी राजधानी तक नहीं पहुँच पाया था। आकांक्षाएँ तो जीवित थीं, लेकिन विकास की धमनियाँ गायब थीं। अब ऐसा नहीं है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा कल बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन का उद्घाटन मिज़ोरम के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। 8,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित, यह 51 किलोमीटर लंबी परियोजना पहली बार आइज़ोल को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री सैरंग से दिल्ली (राजधानी एक्सप्रेस), कोलकाता (मिज़ोरम एक्सप्रेस) और गुवाहाटी (आइज़ोल इंटरसिटी) के लिए तीन नई ट्रेन सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाएंगे। यह रेलवे लाइन दुर्गम इलाकों से होकर गुजरती है। रेलवे इंजीनियरों ने मिज़ोरम को जोड़ने के लिए 143 पुल और 45 सुरंगें बनाई हैं। इनमें से एक पुल कुतुब मीनार से भी ऊँचा है। दरअसल, इस भूभाग पर, अन्य सभी हिमालयी रेलमार्गों की तरह, रेलवे लाइन व्यावहारिक रूप से एक पुल, उसके बाद एक सुरंग और फिर एक पुल के रूप में बनाई जाती है।

हिमालयी सुरंग निर्माण विधि-उत्तर पूर्वी हिमालय युवा पर्वत हैं, जिनके बड़े हिस्से में मुलायम मिट्टी और जैविक पदार्थ हैं। इन परिस्थितियों में सुरंगों और पुलों का निर्माण असाधारण चुनौतियों से भरा था। पारंपरिक तरीके इसलिए विफल हो जाते हैं क्योंकि ढीली मिट्टी निर्माण की चुनौतियों का सामना नहीं कर पाती।

इससे निपटने के लिए, हमारे इंजीनियरों ने एक नया और सरल तरीका विकसित किया, जिसे अब हिमालयन टनलिंग विधि के रूप में जाना जाता है। इस तकनीक में, सुरंग बनाने और निर्माण कार्य के लिए पहले मिट्टी को स्थिर किया जाता है और फिर उसे ठोस बनाया जाता है। इससे हम इस क्षेत्र की सबसे कठिन परियोजनाओं में से एक को पूरा करने में सक्षम हुए।

एक और बड़ी चुनौती भूकंपीय गतिविधि से ग्रस्त क्षेत्र में ऊँचाई पर पुलों की स्थिरता सुनिश्चित करना था। यहाँ भी, पुलों को लचीला और सुरक्षित बनाने के लिए विशेष डिज़ाइन और उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया गया। यह घरेलू नवाचार दुनिया भर के समान भूभागों के लिए एक आदर्श है। इसे संभव बनाने के लिए हज़ारों इंजीनियर, कर्मचारी और स्थानीय समुदाय एक साथ आए।

जब भारत निर्माण करने का निर्णय लेता है, तो वह समझदारी से निर्माण करता है!!

क्षेत्र को लाभ-रेलवे को विकास का इंजन माना जाता है। यह नए बाज़ारों को करीब लाता है और व्यापार के अवसर पैदा करता है। मिज़ोरम के लोगों के लिए, नई रेलवे लाइन उनके जीवन स्तर में सुधार लाएगी। मिज़ोरम में राजधानी एक्सप्रेस की शुरुआत से, आइज़ोल और दिल्ली क्षेत्र के बीच यात्रा का समय 8 घंटे कम हो जाएगा। नई एक्सप्रेस ट्रेनें आइज़ोल, कोलकाता और गुवाहाटी के बीच यात्रा को भी तेज़ और आसान बना देंगी। किसान, खासकर बांस की खेती और बागवानी में लगे किसान, अपनी उपज को तेज़ी से और कम लागत पर बड़े बाज़ारों तक पहुँचा सकेंगे।

खाद्यान्न और उर्वरक जैसी आवश्यक वस्तुओं का परिवहन आसान हो जाएगा। मिज़ोरम की प्राकृतिक सुंदरता के और अधिक सुलभ होने से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय व्यवसायों और युवाओं के लिए अवसर पैदा होंगे। यह परियोजना लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोज़गार तक बेहतर पहुँच भी लाएगी। मिज़ोरम के लिए, यह कनेक्टिविटी इन सभी और उससे भी अधिक का वादा करती है। अब से, आइज़ोल दूर नहीं लगेगा।

देश भर में विकास-देश भर में रेलवे में अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिल रहा है। हाल ही में 100 से ज़्यादा अमृत भारत स्टेशनों का उद्घाटन किया गया, और 1200 और स्टेशनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। ये स्टेशन यात्रियों को आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करेंगे और शहरों को विकास के नए केंद्र बनाएंगे।

150 से ज़्यादा हाई-स्पीड वंदे भारत ट्रेनें यात्री सुविधा के नए मानक स्थापित कर रही हैं। साथ ही, लगभग पूरे नेटवर्क का विद्युतीकरण इसे और भी हरित बना रहा है।

2014 से अब तक 35,000 किलोमीटर पटरियाँ बिछाई जा चुकी हैं। यह पिछले छह दशकों में हुई कुल उपलब्धि से भी ज़्यादा है। पिछले वर्ष ही 3,200 किलोमीटर नई रेल लाइनें बिछाई गईं।

विकास और परिवर्तन की यह गति पूर्वोत्तर में भी दिखाई दे रही है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

भाजपा का गुजारा नीतीश बगैर नहीं

हरिशंकर व्यास

बिहार में भाजपा कहे या न कहे विधानसभा चुनाव में एनडीए की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा नीतीश कुमार ही है। भाजपा का गुजारा उनके बगैर नहीं है। पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले ही भाजपा को लग गया था नीतीश के बगैर गुजारा नहीं होगा तो राजद के साथ उनका गठबंधन खत्म करा कर उनको फिर से एनडीए का मुख्यमंत्री बनाया गया। जब लोकसभा चुनाव में भाजपा को उनकी इतनी जरुरत थी तो समझा जा सकता है कि विधानसभा चुनाव में कितनी जरुरत होगी। इसलिए एक तरफ से अघोषित रूप से ही सही लेकिन नीतीश कुमार का चेहरा होगा। उनके नाम, काम और हाल के दिनों में की गई लोक लुभावन घोषणाओं के दम पर एनडीए चुनाव लड़ेगा।

लेकिन सवाल है कि दूसरी ओर से कौन लड़ेगा क्या जिस तरह लोकसभा चुनाव में विपक्ष सामूहिक नेतृत्व में लड़ा, कोई चेहरा घोषित नहीं किया और भाजपा को कई राज्यों में नुकसान पहुंचा दिया वैसे ही बिहार का विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी हो रही है यह सवाल इसलिए है क्योंकि राष्ट्रीय जनता दल और लालू प्रसाद के तमाम प्रयासों के बावजूद कांग्रेस की ओर से तेजस्वी यादव के नाम की घोषणा नहीं हो रही है। तेजस्वी यादव ने बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान एक जनसभा में राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाने की अपील कर दी फिर भी राहुल ने उनको मुख्यमंत्री बनाने की अपील नहीं की। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों ने तेजस्वी के नाम की घोषणा पर सीधा सवाल पूछा तब भी राहुल गांधी उसे टाल गए। कहा जा रहा है कि इससे राजद के नेता इतने नाराज हुए कि उन्होंने कांग्रेस से कह दिया कि एक सितंबर को पटना के गांधी मैदान में कांग्रेस खुद रैली कर ले। बाद में यह रैली रद्द हो गई। कहा जा रहा है कि महागठबंधन के अंदर सीट बंटवारा नहीं हो रहा है और इस वजह से मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा भी नहीं हो रही है।

लेकिन इसके अलावा कुछ राजनीतिक कारण भी हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी तेजस्वी यादव के नाम की घोषणा इसलिए नहीं कर रहा है क्योंकि कांग्रेस के रणनीतिकार और चुनाव सर्वे करने वाली टीम का मानना है कि अगर चुनाव नीतीश कुमार बनाम तेजस्वी यादव का हुआ तो अपने आप एनडीए को एडवांटेज हो जाएगा। उनका कहना है कि तेजस्वी के नाम की घोषणा से विपक्षी गठबंधन को नुकसान होगा। दूसरी बात यह कही जा रही है कि तेजस्वी के नाम की घोषणा से विपक्ष को भ्रष्टाचार का मुद्दा बनाने में आसानी हो जाएगी। ध्यान रहे जमीन के बदले रेलवे में नौकरी के कथित घोटाले में तेजस्वी यादव को भी आरोपी बनाया गया है। हालांकि 2004 से 2009 के बीच लालू प्रसाद के रेल मंत्री रहने के दौरान हुए इस कथित घोटाले के समय तेजस्वी नाबालिग थे। फिर भी वे आरोपी हैं। इस मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में आरोप तय हो गया है और सुनवाई शुरू हो गई है। अगर तेजस्वी सीएम का चेहरा बनाए जाते हैं तो फिर उस कथित घोटाले का मुद्दा जोर शोर से उठाया जाएगा और दावा किया जा रहा है कि सजा पाने की कगार पर खड़े एक नेता को विपक्ष ने मुख्यमंत्री पद का दावेदार बनाया है।

तीसरी बात यह है कही जा रही है कि नीतीश के मुकाबले तेजस्वी का चेहरा आने पर परिवारवाद का मुद्दा बनेगा। एनडीए की ओर से राहुल गांधी और तेजस्वी का चेहरा दिखा कर हमला किया जाएगा। लेकिन इससे ज्यादा चिंता इस बात की है कि तेजस्वी के नाम की घोषणा से गैर यादव पिछड़ी जातियों को एनडीए के पीछे एक जुट करने में आसानी हो जाएगी। फिर 2005 से पहले के कथित जंगल राज की याद दिला कर सवर्णों को भी साथ लेना बहुत आसान हो जाएगा। एक समस्या यह भी बताई जा रही है महागठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी के नेता मुकेश सहनी अपने को उप मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित किए बैठे हैं। अगर तेजस्वी के नाम की घोषणा होती है तो मुकेश सहनी का नाम भी घोषित करना होगा और तब यह सवाल उठेगा कि मुकेश सहनी से कई गुना ज्यादा बड़ी पार्टी कांग्रेस का उप मुख्यमंत्री क्यों नहीं घोषित हो रहा है दलित प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम का नाम घोषित करने की मांग उठेगी। इस तरह से पूरा मामला बहुत जटिल हो जाएगा और जातियों का संतुलन भी नहीं सधेगा। अगर यादव, मल्लाह और दलित का नाम घोषित हुआ तो एनडीए से कुशवाहा और सवर्ण वोट तोड़ने का अब तक हो रहा प्रयास विफल हो जाएगा।

(यह लेखक के अपने विचार है)

जातीय संघर्ष जनजीवन अस्त-व्यस्त

वर्तमान में मणिपुर देश का एकमात्र राज्य है, जहां राष्ट्रपति शासन लागू है। मैतई-कुकी के खूनी संघर्ष के चलते इसी साल फरवरी में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था।

1967 के बाद से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगने का ग्यारहवां उदाहरण है। अब मणिपुर अखंडता पर समन्वय समिति ने कुकी-जो समुदाय के दो प्रमुख संगठनों द्वारा सरकार के साथ समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। कोकोमी शांति स्थापित करने के लिए रोडमैप तैयार कर रहा है।

केंद्र व राज्य सरकार ने कुकी-जो विद्रोही समूहों के साथ पनुर्निधारित नियमों, शतरे या आधारभूत नियमों के साथ विशेष सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए।

गृह मंत्रालय का कहना है कि नागरिक समाज संगठनों के इन समूहों द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को यात्रियों और जरूरी वस्तुओं की आवाजाही के लिए खोलने पर सहमति व्यक्त की है। मई, 2023 में राज्य में कुकी-मैतई के दरम्यान हिंसा के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपेक्षित यात्रा को लेकर यह व्यवस्था किए जाने की चर्चा है।

पूर्वनिर्धारित कार्यक्रमानुसार मोदी 13 सितम्बर को वहां जा सकते हैं। जातीय संघर्ष में ढाई सौ से ज्यादा जानें जा चुकी हैं। जनजीवन अस्त-व्यस्त है। सरकारी इमारतों को क्षति पहुंचाने के अलावा स्थानीय रोजगार ठप पड़े हैं। सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ों ने आम नागरिकों के भीतर दहशत भर दी है।

साठ हजार से ज्यादा लोग अपने घरों को अब तक लौट नहीं पाए हैं। सामान्य स्थिति की बहाली को लेकर जनता में निश्चितता देखी जा सकती है। हालांकि यह राजनीतिक दांव भी हो सकता है क्योंकि अरसे से मोदी के लगातार चुनावी रैलियों में शामिल होने पर विपक्ष निशाना साध रहा था।

मणिपुर में शांति बहाली के लिए केंद्र का उपेक्षाभाव देख सवाल उठना लाजिमी था। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां बढ़ चुकी हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि आलोचनाओं को थामने के लिए मोदी की यह यात्रा हो सकती है, जहां कुछ योजनाओं का ऐलान कर वे अपने जिम्मेदाराना व्यवहार का अहसास कराना चाहेंगे।

संघषर्ग्रस्त राज्य में शांति बहाली के ंद्र को अपनी प्राथमिकताओं में रखना चाहिए। चुनावी चकल्लस के अतिरिक्त प्रधानमंत्री मोदी को ख्याल रखना होगा कि देश के किसी भी कोने को उपेक्षित न रहने दिया जाए और शांति स्थापित करने के प्रति यथाशीघ्र विशेष सतर्कता बरती जाए।

प्राकृतिक आपदा और पुनर्निर्माण पर विमर्श

अनुज आचार्य

हिमाचल प्रदेश में मौसम का मिजाज अभी भी बिगड़ा हुआ है और आमजन में इस बार हुई तबाही को लेकर बेचैनी का आलम है। 20 जून से 9 सितंबर, 2025 तक बादल फटने, अचानक बाढ़ आने और भूस्खलन की घटनाओं से इस बार हिमाचल प्रदेश को अनुमानित 4122 करोड़ का नुकसान हुआ है। हिमाचल में तीन नेशनल हाईवे के साथ 744 सडक़ें बंद पड़ी हुई हैं। इसके साथ ही प्रदेश में 959 बिजली ट्रांसफार्मर खराब हुए हैं तो 472 पेयजल की योजनाएं भी बंद हैं और 466 लोगों की मृत्यु हुई है। इसी बीच मंगलवार 9 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने हिमाचल दौरे के दौरान हुए नुकसान का जायजा लिया, 1500 करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की और मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दिए जाने की बात कही है। दूसरी तरफ हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र इस बार सिर्फ विधायी औपचारिकताओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सत्र से पहले और सत्र के दौरान ही प्रदेश में भारी बारिश, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं से आमजन को हो रही पीड़ा, संकट और उम्मीदों पर चर्चा का गवाह भी बना। 18 अगस्त से 2 सितंबर 2025 तक चले इस सत्र में बारह बैठकों में कई बार राजनीतिक टकराव, विपक्ष के बहिष्कार और सत्ता पक्ष की सफाई पर ध्यान आकर्षित किया, लेकिन सबसे गहरी गूंज आपदा और उससे जुड़े पुनर्निर्माण की ही रही। इस बार लगातार बारिश, भूस्खलनों और बादल फटने की घटनाओं ने प्रदेश के कई जिलों के नागरिकों को असहज और असहाय स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया। चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग लंबे समय तक ठप रहा तो वहीं मणिमहेश यात्रा भी स्थगित करनी पड़ी। कई जगहों पर कई किलोमीटर सडक़ें धरातल पर से ही गायब हो चुकी हैं। बागवानों का नुकसान अलग है क्योंकि उनके सेब बॉक्स सेब बागानों से निकल ही नहीं पा रहे हैं, वहीं दूरसंचार सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। मॉनसून और बारिश के तांडव के चलते हिमाचल के शिक्षण संस्थानों में छुट्टियां करनी पड़ी हैं। कुल मिलाकर इस बार मॉनसून की बारिशों ने हिमाचल के नागरिकों को वर्षों न भूलने वाले जख्म दिए हैं। हिमाचल सरकार ने राज्य में आई इस आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का प्रस्ताव पारित किया है और मानचित्र आधारित क्षति का विस्तृत आकलन, जीआईएस आधारित तस्वीरें और व्ययों का ब्यौरा केंद्र सरकार को भेजा गया है। इन हालात ने यह साफ कर दिया कि हिमाचल की त्रासदी महज प्राकृतिक आपदा भर नहीं है, बल्कि अव्यवस्थित निर्माण, अंधाधुंध कटान और जलवायु परिवर्तन के संगम से पैदा हुआ एक संरचनात्मक संकट है। वहीं कई नागरिकों की मान्यता में धर्मस्थलों में लोगों का गैर मर्यादित व्यवहार, आचरण एवं पहनावा भी कहीं न कहीं देवताओं की नाराजगी से उपजा संकट है। आपदा की गूंज के साथ-साथ विधानसभा में आर्थिक हालात का बोझ भी चर्चा में रहा। राज्य का राजस्व घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत यानी लगभग 6390 करोड़ रुपए आंका गया है, जबकि वित्तीय घाटा 4 प्रतिशत यानी 10338 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

कर्ज का बोझ एक लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंच गया है, ऐसे में राहत और पुनर्निर्माण के लिए संसाधन जुटाना सरकार के लिए किसी कठिन पहाड़ी चढ़ाई चढऩे जैसा ही है। इसी बीच कर्मचारियों और पेंशनरों की मांगों की आवाज भी सदन के गलियारों में गूंजती रही। जुलाई 2023 से लंबित महंगाई भत्ते का एरियर, छठे वेतन आयोग के लाभ और लंबे समय से रोके गए महंगाई भत्तों की मांग को लेकर कर्मचारी आंदोलित हैं तो विपक्ष ने भी इसे मुद्दा बनाकर सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है, जबकि सत्ता पक्ष ने आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए पहली प्राथमिकता आपदा राहत कार्यों को बताया है। राजनीतिक दृष्टि से यह सत्र दिलचस्प रहा, सरकार और विपक्ष दोनों आपदा पर गंभीर दिखे, लेकिन रणनीति अलग-अलग रही। तथ्य यह भी रहा कि सत्र ने विधायी कार्यों की दृष्टि से भी अपना महत्व बनाए रखा। कुल 11 सरकारी विधेयक पास किए गए, एक विधेयक वापस लिया गया और शून्यकाल के दौरान 43 मुद्दे उठाए गए। नियम 67, 62, 130, 101 और 102 जैसे प्रावधानों के तहत लंबी बहसें चलीं। आपदा पर ही 33 घंटे चर्चा हुई। प्रश्नकाल के दौरान कुल 690 सवाल उठे और 1118 बच्चों ने सदन की कार्यवाही को प्रत्यक्ष देखा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सत्र के समापन पर कहा कि यह खट्टे-मीठे अनुभवों का समय रहा और भविष्य में अगस्त की बजाय सितंबर में सत्र बुलाने पर विचार होना चाहिए, क्योंकि अगस्त का महीना आपदा की दृष्टि से हमेशा कठिन रहता आया है।

विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने भी स्वीकार किया कि सत्र लंबा और उपयोगी रहा, लेकिन उन्होंने सरकार पर आर्थिक प्रबंधन में असफलता और संस्थान बंद करने जैसी नीतियों को लेकर सवाल उठाए। कुल मिलाकर, यह मानसून सत्र प्रदेश की त्रासदी और राजनीति दोनों का मंच बना। जनता की नजर में असली सवाल यही है कि क्या इन बहसों से कोई ठोस समाधान निकला? निष्कर्षत: यही कहा जा सकता है कि 2025 का मानसून हिमाचल के लिए एक और कठिन परीक्षा बन गया। ऐसे में विधानसभा सत्र तभी सार्थक साबित होगा जब तात्कालिक राहत, कर्मचारियों-पेंशनरों की जायज मांगों, दीर्घकालीन ढांचागत सुधार और वित्तीय अनुशासन को समान प्राथमिकता दी जाएगी। राजनीति के आरोप-प्रत्यारोप से परे, जनता अपना मूल्यांकन इस आधार पर करेगी कि सडक़ें कितनी जल्दी खुलती हैं, बिजली-पानी कितनी तेजी से बहाल होते हैं और पुनर्निर्माण कितनी दूरदर्शिता से किया जाता है। हिमाचल की जनता अब भाषणों से आगे बढक़र धरातल पर परिणाम चाहती है और यही इस मानसून सत्र की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

(यह लेखक के अपने विचार है)

हिंसक प्रदर्शन में अब तक 19 की मौत

नेपाल में सोशल मीडिया बैन करने का विरोध, सड़कों पर उतरे लाखों युवा

काठमांडू,12 सिंतबर (एजेंसी)। श्रीलंका और बांग्लादेश के बाद अब नेपाल में भी युवा सरकार के खिलाफ बगावत पर उतर आए। इंटरनेट मीडिया पर प्रतिबंध लगाने और देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में जेन-जी के बैनर तले हजारों युवाओं ने राजधानी काठमांडू और विभिन्न शहरों में हिंसक प्रदर्शन किया है। प्रदर्शनकारियों में सैकड़ों छात्र स्कूल व कॉलेज की यूनिफॉर्म में देखे गए।हिंसा पर उतारू प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 12 साल के स्कूली बच्चे समेत कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि लगभग 350 घायल हैं। काठमांडू में कर्फ्यू के साथ ही सेना तैनात कर दी गई है। कई अन्य शहरों में भी कर्फ्यू लगाया गया है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कैबिनेट की आपात बैठक बुलाकर हालात पर विचार-विमर्श किया।बाद में नेपाल की गठबंधन सरकार में गृह मंत्री एवं नेपाली कांग्रेस के नेता रमेश लेखक ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। नेपाल में हिंसा के मद्देनजर भारत में सीमा की सुरक्षा में तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने सतर्कता बढ़ा दी है। ओली सरकार ने फेसबुक, वॉट्सएप और एक्स सहित 26 इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्मों पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह कार्रवाई पंजीकरण नहीं कराने पर चार सितंबर को की गई थी।नेपाल की लगभग तीन करोड़ की आबादी में 90 प्रतिशत लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। काठमांडू पोस्ट के अनुसार, प्रतिबंध को तुरंत हटाने की मांग करते हुए सोमवार को काठमांडू में हजारों युवा संसद भवन के सामने इकट्ठा हुए और सरकार विरोधी नारे लगाए। प्रदर्शनकारी झंडे और पोस्टर लिए हुए थे जिन पर भ्रष्टाचार बंद करो, इंटरनेट मीडिया नहीं; इंटरनेट मीडिया पर से प्रतिबंध हटाओ और युवा भ्रष्टाचार के विरोधी जैसे नारे लिखे थे।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रदर्शन उस समय हिंसक हो गया जब कुछ प्रदर्शनकारी बैरीकेड्स तोड़कर संसद परिसर में घुस गए, एंबुलेंस को आग लगा दी और संसद के सुरक्षाकर्मियों पर पथराव किया। इसके बाद पुलिस को प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले, हवाई फायरिंग और रबर की गोलियों का इस्तेमाल करना पड़ा। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 17 लोग काठमांडू के विभिन्न हिस्सों में संघर्ष के दौरान मारे गए, जबकि दो लोग पूर्वी नेपाल के सुनसरी जिले में पुलिस फायरिंग में मारे गए हैं। हिंसा के बाद संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, उपराष्ट्रपति आवास और प्रधानमंत्री कार्यालय के आसपास के क्षेत्र में कर्फ्यू लगा दिया गया है। न-जी का हिंसक प्रदर्शन बिराटनगर, भरतपुर, पोखरा, बुटवल, चितवन, नेपालगंज, भैरहवा, इटाहरी (सुनसरी), ललितपुर, झापा और दमक शहरों में भी फैल गया है।

काठमांडू के अलावा ललितपुर, पोखरा, बुटवल और इटाहरी में भी कर्फ्यू लगा दिया गया है। झापा में प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री ओली के आवास पर भी पथराव किया।सरकार भले ही कह रही है कि प्रतिबंध प्लेटफॉर्मों को विनियमित करने के लिए लगाया गया है। लेकिन लोगों की धारणा है कि इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला होगा और इससे सेंसरशिप की नौबत आ सकती है। प्रदर्शनकारियों का यह भी मानना है कि देश में भ्रष्टाचार बहुत ज्यादा है और ओली सरकार अपने वादे पूरे नहीं कर रही है।रविवार को काठमांडू के मध्य में स्थित मैतीघर मंडला में दर्जनों पत्रकारों ने भी सरकार के फैसले के विरोध में प्रदर्शन किया था। नेपाल कंप्यूटर एसोसिएशन (सीएएन) ने कहा कि फेसबुक, एक्स और यूट्यूब जैसे महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्मों को एक साथ बंद करने से शिक्षा, व्यापार, संचार और आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर गंभीर असर पड़ सकता है। साथ ही यह कदम नेपाल को डिजिटल रूप से दुनिया में पीछे ले जा सकता है।नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा, हम प्लेटफॉर्मों या इंटरनेट मीडिया के विरुद्ध नहीं हैं, बल्कि हम कानून-व्यवस्था को नहीं मानने, अहंकार और हमारे देश की बेइज्जती करने के विरुद्ध हैं। एक वर्ष तक हमने इंटरनेट मीडिया से कहा कि नेपाल के कानून के तहत पंजीकरण करें, टैक्स दें और जवाबदेह बनें। लेकिन कंपनियों ने नियमों का पालन नहीं किया। यह स्वीकार नहीं किया जा सकता कि कोई नेपाल में कारोबार करे, पैसे कमाए और फिर भी कानून का पालन न करे। फेसबुक, मैसेंजर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, वाट्सएप, एक्स, लिंक्डइन, स्नैपचैट, रेडिट, डिस्कार्ड, पिंटरेस्ट, टेंसेंट, सिग्नल, थ्रेड्स, वीचैट, क्वोरा, टंबलर, क्लबहाउस, मैस्टोडान, रंबल, वीके, लाइन, आइएमओ, जैलो, सोल और हमरो पात्रोजेन-जी को आम तौर पर 1997 और 2012 के बीच जन्मे लोगों को कहा जाता है। यानी 2025 में जिनकी उम्र लगभग 13 से 28 वर्ष के बीच है। नेपाल की तरह श्रीलंका (2022) और बांग्लादेश (2024) में भी आंदोलन में %जेन-जी ही सबसे आगे थी।

यूपी में 12, बिहार में 10 और... इतने बरसे बादल कि इन राज्यों के शहरों में बढ़ गया बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली,12 सिंतबर (एजेंसी)। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने सोमवार को देशभर में 25 स्थानों पर गंभीर बाढ़ की स्थिति की सूचना दी, जिसमें उत्तर प्रदेश में 12, बिहार में 10 और झारखंड, राजस्थान और बंगाल में एक-एक स्टेशन शामिल हैं। अन्य 20 स्थानों पर सामान्य से अधिक बाढ़ आ रही है, जिनमें उत्तर प्रदेश में नौ, बिहार में पांच, असम में चार तथा दिल्ली और बंगाल में एक-एक स्टेशन शामिल हैं। इसके साथ ही कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, बंगाल और उत्तराखंड सहित राज्यों में 42 बांधों और बैराजों के लिए बाढ़ का पूर्वानुमान जारी किया गया

है।उत्तर प्रदेश में, मथुरा, आगरा, इटावा, कन्नौज और औरैया में यमुना और गाजीपुर, फतेहपुर, बलिया, बदायूं, कानपुर और वाराणसी में गंगा गंभीर या सामान्य से अधिक बाढ़ की स्थिति में हैं। अयोध्या और बलिया में घाघरा भी गंभीर स्तर पर बह रही है। बिहार में पटना, भागलपुर, मुंगेर और सारण में गंगा, सुपौल और खगड़िया में कोसी, वैशाली में गंडक और खगड़िया में बूढ़ी गंडक गंभीर बाढ़ की स्थिति में हैं। गुजरात में, नर्मदा, तापी, दमनगंगा, माही, साबरमती, अनास, सोम, रेल और बनास सहित नदियों के अगले दो से तीन दिनों तक सामान्य से ऊपर से लेकर गंभीर बाढ़ के स्तर तक बने रहने की उम्मीद है। राजस्थान में, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर और सिरोही जिलों में साबरमती और पश्चिमी बनास में और चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा और राजसमंद में बनास और उसकी सहायक नदियों में सामान्य से अधिक गंभीर बाढ़ की आशंका है।उत्तराखंड में, टिहरी गढ़वाल में अगलार नदी भीषण बाढ़ की चपेट में है, जबकि देहरादून में सोंग और उत्तरकाशी में यमुना नदी का जलस्तर सामान्य से ऊपर बढ़ रहा है। मध्य प्रदेश के दमोह और दतिया में भीषण बाढ़ की खबर है, जबकि झारखंड के पलामू और साहिबगंज में भीषण बाढ़ की खबर है।सीडब्ल्यूसी ने कहा कि यदि जलग्रहण क्षेत्रों में और अधिक वर्षा हुई तो पानी छोड़े जाने पर निचले इलाकों में बाढ़ आ सकती है।

नेपाल के लिए काला दिन, सोशल मीडिया बैन के बाद मचे बवाल पर मनीषा कोइराला ने तोड़ी चुप्पी

नईदिल्ली,12 सिंतबर (एजेंसी)। मनीषा कोईराला ने नेपाल में युवा प्रदर्शनकारियों पर पुलिस के हिंसक कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में, अभिनेत्री ने खून से सना एक जूता दिखाते हुए एक भावुक तस्वीर शेयर की और देश में फैली इस गंभीर स्थिति पर एक संदेश भी दिया।मनीषा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, आज नेपाल के लिए एक काला दिन है - जब भ्रष्टाचार के खिलाफ लोगों की आवाज और न्याय की मांग पर गोलियों से जवाब दिया जाता है। हजारों नेपाली युवा जिनमें ज्यादातर जेनरेशन जेड (जेन जी) के लोग हैं, काठमांडू और अन्य शहरों में विरोध प्रदर्शन

कर रहे हैं। वे सरकार से लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने और भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़े कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। सोमवार को यह आंदोलन ने उस वक्त एक दुखद मोड़ ले लिया, जब सुरक्षा बलों ने कई जिलों में प्रदर्शनकारियों पर गोली चला दी। नेपाल के स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्रालय के अनुसार, कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 250 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय झंडा लेकर मार्च निकाला, राष्ट्रगान गाया और भ्रष्टाचार और सेंसरशिप के खिलाफ अपना गुस्सा जताया। प्रदर्शन तब और बढ़ गया जब भीड़ संसद में जमा हो गई और उसके प्रवेश द्वार में आग लगा दी, जिसके बाद पुलिस को पानी की बौछार, आंसू गैस और अंत में असली गोलियों का इस्तेमाल करना पड़ा।नेपाल सरकार की ओर से फेसबुक, यूट्यूब और एक्स सहित 26 गैर-पंजीकृत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ब्लॉक करने के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ। इससे लाखों यूजर्स इंटरनेट से कट गए और वे इस कार्रवाई से नाराज हो गए। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अधिकारियों ने टेक कंपनियों को स्थानीय स्तर पर रजिस्ट्रेशन करने, कंप्लायंस ऑफिसर नियुक्त करने और एक संपर्क बिंदु स्थापित करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया था।अधिकारियों का कहना है कि यह कदम डिजिटल प्लेटफॉर्म को रेगुलेट करने के लिए था, क्योंकि उन्हें ऑनलाइन धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग की चिंताओं के कारण यह कदम उठाना पड़ा था।

देश को नया उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन के सामने सुदर्शन

नई दिल्ली,12 सिंतबर (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मंगलवार को होने वाले मतदान से पहले सोमवार को सत्तापक्ष तथा विपक्ष ने अपने-अपने सांसदों के साथ बैठक कर चुनावी मुकाबले की तैयारियां पूरी कर लीं। भाजपा ने वोटिंग से पहले अपने सांसदों की कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत पार्टी के सभी सदस्यों ने हिस्सा लिया।उधर, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, शरद पवार तथा अखिलेश यादव की मौजूदगी में विपक्षी गठबंधन आईएनडीआइए के सांसदों की बैठक में माक वोटिंग के जरिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। इस बीच, वोटिंग से एक दिन पहले बीजू जनता दल तथा भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने उपराष्ट्रपति चुनाव के मतदान में हिस्सा नहीं लेने की घोषणा कर चुनावी परिदृश्य की तस्वीर पूरी तरह साफ कर दी।

व्यापार में आने वाली रुकावटों से कैसे बचना है, ब्रिक्स बैठक में जयशंकर ने दिया ये मंत्र

नई दिल्ली,12 सिंतबर (एजेंसी)। अमेरिका के टैरिफ विवाद को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने सोमवार को ब्रिक्स के वर्चुअल शिखर सम्मेलन में कहा कि दुनिया के लिए यह अनिवार्य है कि आर्थिक लेनदेन निष्पक्ष, पारदर्शी और सभी के लिए लाभकारी हों।उन्होंने कहा कि दुनिया को स्थायी व्यापार को बढ़ावा देने के लिए रचनात्मक और सहयोगात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। बाधाओं को बढ़ाने और लेनदेन को जटिल बनाने से कोई फायदा नहीं होगा, न ही व्यापार से जुड़े पहलों को गैर-व्यापारिक मामलों से जोड़ने से ही कोई लाभ होगा।इस शिखर सम्मेलन में जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रतिनिधित्व किया। इसमें चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ब्रिक्स देशों के समूह के कई अन्य नेताओं ने भी भाग लिया। यह शिखर सम्मेलन ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा द्वारा व्यापार और टैरिफ को लेकर वॉशिंगटन की नीतियों के कारण उत्पन्न व्यापार संबंधी व्यवधानों पर चर्चा के लिए बुलाया गया था।जयशंकर ने कहा कि दुनिया व्यापार और निवेश के लिए एक स्थिर और पारदर्शी वातावरण चाहती है। उन्होंने कहा कि भारत का दृढ़ विश्वास है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रणाली के खुले, निष्पक्ष, पारदर्शी और गैर-भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण जैसे मूलभूत सिद्धांतों की रक्षा की जानी चाहिए। जयशंकर ने कहा, दुनिया एक साथ व्यापार और निवेश के लिए स्थिर और भरोसेमंद माहौल चाहती है।

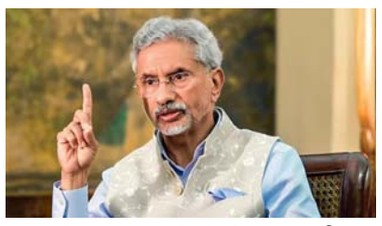

साथ ही यह जरूरी है कि आर्थिक व्यवहार निष्पक्ष, पारदर्शी और सभी के हित में हो। जब कई रुकावटें आती हैं तो हमारा लक्ष्य ऐसे झटकों से बचना होना चाहिए।

इसका मतलब है कि अधिक लचीली, भरोसेमंद, वैकल्पिक और छोटी सप्लाई चेन बनाना। उन्होंने यह भी कहा कि जब कई व्यवधान हों तो हमारा उद्देश्य ऐसे झटकों से सुरक्षा प्रदान करना होना चाहिए। उन्होंने बड़ी चिंताओं खासकर जलवायु परिवर्तन को नजरअंदाज न करने की जरूरत पर भी जोर दिया।उन्होंने कहा, दुख की बात है कि जलवायु कार्रवाई और जलवायु न्याय, दोनों ही वर्तमान में वैश्विक प्राथमिकताओं में पिछड़ रहे हैं। हमें नई सोच और पहल की भी जरूरत है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच अधिक व्यापार और वित्तीय एकीकरण संरक्षणवाद के प्रभावों को कम करने में मदद करेगा।उन्होंने कहा, टैरिफ ब्लैकमेल को बाजारों पर कब्जा करने और घरेलू मुद्दों में हस्तक्षेप करने का एक साधन बनाया जा रहा है। ब्रिक्स देश अनुचित और अवैध व्यापार प्रथाओं के शिकार बन गए हैं। हालांकि, अपने संबोधन में उन्होंने सीधे तौर पर अमेरिका का हवाला नहीं दिया।

नई दिल्ली में जनता दल (यूनाइटेड) संसदीय दल की बैठक के दौरान महाराष्ट्र के राज्यपाल और एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह और अन्य।

सिंघम की याद दिला दी, महाराष्ट्र पुलिस स्टेशन में हुई गोलीबारी पर सुप्रीम कोर्ट ने क्यों की ये टिप्पणी

नई दिल्ली,12 सिंतबर (एजेंसी)। पुलिस स्टेशन में गोलीबारी की घटना से जुड़े एक मामले में आरोपी व्यक्ति को जमानत न देने के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका की सुनवाई

करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मामला उन्हें हिंदी फिल्म सिंघम की याद दिलाता है।न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच महाराष्ट्र के उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में पिछले साल पूर्व कॉर्पोरेटर और शिवसेना नेता महेश गायकवाड़ पर पूर्व बीजेपी विधायक गणपत गायकवाड़ की गोलीबारी की घटना के आरोपी कुणाल दिलीप पाटिल की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पाटिल पर गोलीबारी के दौरान महेश गायकवाड़ के बॉडीगार्ड को रोकने का आरोप है।बताया जा रहा है कि यह गोलीबारी दो नेताओं के बीच पुरानी दुश्मनी और जमीन के विवाद के कारण हुई। बेंच ने कहा कि यह घटना इतनी फिल्मी है कि इससे एक अलग फिल्म की स्क्रिप्ट बनाई जा सके।जस्टिस मेहता ने कहा, इससे हमें सिंघम फिल्म की याद आ गई। यह एक ऐसी कहानी है जिसका एक टैगलाइन भी हो सकता है।इस बात पर हंसते हुए, पाटिल के वकील सिद्धार्थ दवे ने कहा कि ऐसी कहानी से कुछ सालों में शायद एक फिल्म भी बन जाए। दवे ने दलील दी कि उनके मुवक्किल उस केबिन के अंदर नहीं था जहां से बीजेपी नेता ने गोली चलाई थी और मूल एफआईआर में उनका नाम भी

भाई ने भाई को बरछी घोंपकर मार डाला... लकवा मारे पिता के इलाज के लिए एक घंटे तक हिंसक झड़प

अररिया,12 सिंतबर (एजेंसी)। फारबिसगंज प्रखंड के सिमराहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुरवारी झिरवा पंचायत के वार्ड संख्या 10 में सोमवार को पिता के इलाज के खर्च को लेकर हुए विवाद में मंझले भाई ने बड़े भाई की बरछी घोंपकर हत्या कर दी। मृतक महावीर ऋषिदेव के पुत्र रमेश ऋषिदेव (35) हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।जानकारी के अनुसार, रमेश और उनके मंझले भाई कुलदीप ऋषिदेव के बीच पिता महावीर ऋषिदेव के इलाज के खर्च को लेकर मामूली विवाद हुआ था। यह विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों भाइयों के बीच मारपीट की स्थिति उत्पन्न हो गई। इसी दौरान कुलदीप ने बरछी घोंपकर रमेश

की हत्या कर दी।घटना की सूचना मिलने पर सिमराहा थानाध्यक्ष प्रेम कुमार भारती पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने तुरंत आरोपित कुलदीप ऋषिदेव की पत्नी मंजू देवी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पिता लकवाग्रस्त हैं, जिनके इलाज के खर्च को लेकर विवाद हुआ था।स्थानीय लोगों ने बताया कि रमेश मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। ग्रामीणों के अनुसार, दोनों भाइयों के बीच बिजली बिल और बसोबास की जमीन को लेकर भी विवाद चल रहा था। आरोपित कुलदीप फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। पुलिस मामले में केस करने के लिए स्वजन के आवेदन की प्रतीक्षा कर रही थी।सोनवर्षा राज थाना क्षेत्र के मुख्य बाजार में बुधवार की रात एक युवक ने नशे की हालत में बलिदानी (शहीद) अब्दुल हमीद के नाम वाला साइन बोर्ड तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को गिरफ्तार कर लिया। वार्ड नंबर 11 के रहने वाले कुणाल कुमार ने वीर शहीद अब्दुल हमीद चौक पर लगे साइन बोर्ड को क्षतिग्रस्त किया।इस घटना से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और सैकड़ों लोग चौक पर इकट्ठा होकर युवक की गिरफ्तारी की मांग

नीतीश कटारा हत्याकांड: विकास यादव को सुप्रीम कोर्ट से लगा झटका, अंतरिम जमानत बढ़ाने से किया इनकार

नई दिल्ली,12 सिंतबर(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2002 के बहुचर्चित नीतीश कटारा हत्या मामले में 25 वर्ष की जेल की सजा काट रहे दोषी विकास यादव की अंतरिम जमानत बढ़ाने से इन्कार कर दिया।कोर्ट ने

उसे दिल्ली हाई कोर्ट जाने को कहा है।विकास की अंतरिम जमानत मंगलवार को खत्म हो रही है। वह उत्तर प्रदेश के नेता डीपी यादव का बेटा है। उसके भाई विशाल यादव को भी कटारा के अपहरण और हत्या के लिए सजा सुनाई गई थी। विकास 23 साल की सजा काट चुका है।विकास की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील एस गुरुकृष्ण ने जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ से अपने मुवक्किल की जमानत अवधि और दिनों दिनों के लिए बढ़ाने का आग्रह किया। हालांकि पीठ ने इन्कार कर दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि चूंकि मामला हाई कोर्ट में लंबित है। इसलिए आप हाई कोर्ट जाएं। इससे पहले पीठ ने विकास यादव की अंतरिम जमानत एक सप्ताह के लिए बढ़ा दी थी। विकास ने हाई कोर्ट से सितंबर के पहले सप्ताह में शादी करने के लिए जमानत बढ़ाने की मांग की थी।सुप्रीम कोर्ट विकास की तरफ से 22 अगस्त को दाखिल उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें हाई कोर्ट ने उसकी अंतरिम जमानत बढ़ाने से इन्कार कर दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने 29 अगस्त को उसकी अंतरिम जमानत बढ़ा दी थी।

फ्रीजर खराब, कब्रिस्तान फुल: अंबेडकर अस्पताल की मरच्यूरी में 3 लावारिस शव अंतिम क्रिया के इंतजार में.... क्योंकि लाशों को दफनाने 2 गज जमीन नहीं

रायपुर, 12 सितम्बर (एजेंसी)।

जधानी में लावारिस शवों को दफनाने जगह की कमी हो गई है। आलम यह है कि जगह की कमी होने से अब शव अस्पतालों की मरच्यूरी में पड़े-पड़े सड़ रहे हैं। अस्पतालों में भी पर्याप्त व्यवस्था ना होने से उसकी बदबू पूरे परिसर में फैल रही है।मिली जानकारी के अनुसार, डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल की मरच्यूरी में 3 अज्ञात शव अपनी अंतिम क्रिया के इंतजार में हैं। इनमें एक नवजात बच्चा, एक 95 साल की महिला और एक 65 साल का पुरुष है। इन शवों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है।हालांकि कानूनी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं, लेकिन दफनाने के लिए न तो जगह है, न ही जिला प्रशासन की ओर से कोई वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। अस्पताल स्टाफ ने बताया कि, शवों को लंबे समय तक रखने से पूरे परिसर में दुर्गंध फैल रही है। स्वास्थ्यकर्मियों को संक्रमण फैलने का डर सताने लगा है, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है।

अंबेडकर अस्पताल की मरच्यूरी के सभी 8 फ्रीजर खराब हो गए हैं। इस वजह से अब पोस्टमार्टम के लिए लाए जाने वाले शवों को बिना फ्रीजर ऐसे ही बरामदे में या पोस्टमार्टम कमरे में रखा जा रहा है। अस्पताल में रोजाना करीब 15 शव का पीएम किया जाता है। उसी दिन पोस्टमार्टम हो गया तो ठीक, अन्यथा जहां शव रखे जाते हैं, वहां खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है। अज्ञात शव लाए जाने पर तो रोड तक दुर्गंध फैलती है। दफनाने के लिए जगह ना होने से अब तक शव का पोस्टमार्टम भी नहीं हो पाया है। लाशें पुरानी हो रही है, इसके चलते अब उनसे बदबू आने लगी है।जिले में मिलने वाले अज्ञात शव को पुलिस और जिला प्रशासन किसी संस्था के माध्यम से दफन करवाती है। शहर के कब्रिस्तान पहले ही पूरी तरह भर चुके हैं और नई जमीन के लिए पुलिस कई बार जिला प्रशासन को पत्र लिख चुकी है। इसके बाद भी अब तक शवों को दफनाने की कोई व्यवस्था नही? की गई है। रायपुर में अज्ञात शव को दफनाने का काम करने वाले जमीर अली ने बताया कि उन्हें जोरा, लाभांडी में 2 जमीन मिली थी। वहां वे अज्ञात शव को दफनाते थे, लेकिन अब वह पूरी तरह से भर गई हैं। अभी वहां शव दफनाने के लिए जगह बिल्कुल भी नहीं बची है।

अस्पताल में शव को रखने के लिए जो फ्रीजर हैं, उनके मेंटेनेंस के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इसको प्रक्रिया अभी चल रही है। जल्द ही सभी को सुधारा जाएगा। - डॉ. स्निग्धा जैन, एचओडी, फॉरेंसिक डिपार्टमेंट अंबेडकररिपोर्ट लेकर समाधान करेंगे लावारिस शव दफनाने के लिए संबंधित इलाकों के तहसीलदारों को जिम्मेदारी दी गई है। कहीं जमीन की कमी आ रही है तो इसकी रिपोर्ट लेकर समस्या का समाधान किया जाएगा। अंबेडकर अस्पताल की मरच्यूरी के सभी 8 फ्रीजर खराब हो गए हैं। इस वजह से अब पोस्टमार्टम के लिए लाए जाने वाले शवों को बिना फ्रीजर ऐसे ही बरामदे में या पोस्टमार्टम कमरे में रखा जा रहा है। अस्पताल में रोजाना करीब 15 शव का पीएम किया जाता है। उसी दिन पोस्टमार्टम हो गया तो ठीक, अन्यथा जहां शव रखे जाते हैं, वहां खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है। अज्ञात शव लाए जाने पर तो रोड तक दुर्गंध फैलती है। दफनाने के लिए जगह ना होने से अब तक शव का पोस्टमार्टम भी नहीं हो पाया है।

नकली सोना के बदले असली लेकर फरार, महिला के खिलाफ जुर्म दर्ज

रायपुर, 12 सितम्बर (एजेंसी)।

सदरबाजार स्थित धाड़ीवाल ज्वेलर्स से अज्ञात महिला ने नकली सोना के बदले असली सोने के जेवर लेकर धोखाधड़ी की। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात महिला के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सालिभद्र धाड़ीवाल 60 वर्ष पाम रेसीडेंसी कटोरातालाब सिविल लाइन का रहने वाला है। प्रार्थी का सदर बाजार में धाड़ीवाल ज्वेलर्स नाम से शॉप है। बताया जाता है कि प्रार्थी के शॉप में अज्ञात महिला आई और नकली सोने के ब्रेसलेट को बदलकर असली सोने की चैन ले गई। जिससे प्रार्थी को 1 लाख 68 हजार रुपए का नुकसान हुआ। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात महिला के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

बलरामपुर में दुष्कर्म का आरोपी जंगल से पकड़ाया-करमा त्योहार के दौरान महिला से किया था रेप, न्यायिक रिमांड पर जेल

बलरामपुरर , 12 सितम्बर (एजेंसी)।

बलरामपुर जिले में एक दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कमलेश नगेसिया (30) को उसके आलू खेत के पास जंगल से पकड़ा गया। घटना 4 सितंबर 2025 की है।पीड़िता ने अगले दिन सामरीपाठ थाने में शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि करमा त्योहार के बासी के दिन शाम 5-6 बजे आरोपी उसके घर आया। पीड़िता ने उसे हड़िया (मादक पेय) दी। आरोपी पहले से नशे में था और हड़िया पीने के बाद वहीं चटाई पर सो गया।पीड़िता और उसके पति भी पास में सो गए। रात करीब 12 बजे जब पीड़िता की नींद खुली, तो आरोपी उसके साथ दुष्कर्म कर रहा था। महिला ने शोर मचाया और पति को जगाया। दोनों ने आरोपी को पकड़ना चाहा, लेकिन वह भाग निकला। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी अपने आलू खेत के पास जंगल में छिपा है। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

फर्जी शादी के कार्ड से साइबर ठगी, बीमा सलाहकार के खाते से उड़ाए 4.80 लाख रुपये

रायपुर , 12 सितम्बर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से एक चौंकाने वाला साइबर फ्रॉड सामने आया है। राजेंद्र नगर क्षेत्र निवासी 57 वर्षीय बीमा सलाहकार देवेंद्र सिंह रिसम को फर्जी शादी के ई-निमंत्रण के जरिए ठगों ने 4.80 लाख रुपये का चूना लगा दिया।घटना 19 अगस्त की है, जब देवेंद्र सिंह को व्हाट्सएप पर एक शादी का ई-कार्ड मिला। आम निमंत्रण समझकर जैसे ही उन्होंने कार्ड खोलने की कोशिश की, उनका मोबाइल अचानक हैंग हो गया और स्क्रीन बार-बार ब्लिंक करने लगी। कुछ ही देर में उनके बैंक खाते से लगातार पैसे कटने लगे। घबराए देवेंद्र ने तत्काल मोबाइल बंद कर उसे रीस्टार्ट किया और सीधे बैंक पहुंचे। उन्होंने ट्रांजेक्शन डिटेल निकलवाकर खाता तुरंत ब्लॉक कराया और साइबर फ्रॉड हेल्पलाइन नंबर 1920 पर कॉल कर सूचना दी। इसके बाद राजेंद्र नगर थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और साइबर एक्सपर्ट्स की मदद से ठगों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।यह घटना एक बार फिर चेतावनी देती है कि किसी भी अनजान लिंक या ई-कार्ड को खोलने से पहले सतर्क रहें, वरना हो सकती है भारी आर्थिक हानि।

करोड़ों की जमीन सौदे में बड़ी ठगी, अनाज व्यापारी से 1.05 करोड़ की धोखाधड़ी

रायपुर , 12 सितम्बर (एजेंसी)।

रायपुर से एक और बड़ा धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जहां चौबे कॉलोनी निवासी अनाज व्यापारी शशिकांत तिवारी से करोड़ों रुपये की ठगी की गई। जमीन दलालों ने महासमुंद ज़िले के 70 एकड़ जमीन का फर्जी सौदा कर व्यापारी से 1 करोड़ 5 लाख रुपये हड़प लिए।शिकायतकर्ता शशिकांत तिवारी (उम्र 55) ने बताया कि उन्होंने अपने साझेदार सुधीर कुमार मग्गू के साथ मिलकर पटेवा थाना क्षेत्र के ग्राम बरभाठा की जमीन खरीदने के लिए रायपुर के दलाल हिमांशु मसद और प्रेम रूपरेला के जरिए सौदा किया था। बाद में उनकी मुलाकात ताजदार खान और संजीत जांगड़े से कराई गई, जिन्होंने खुद को जमीन मालिकों का प्रतिनिधि बताया। सौदे के लिए किसानों के नाम पर इकरारनामा दिखाया गया और 1.05 करोड़ रुपये नकद व ऑनलाइन माध्यम से लिए गए। 5 जून 2024 को सिविल कोर्ट रायपुर में नोटरी भी कराई गई, लेकिन जमीन की रजिस्ट्री नहीं हुई। जब व्यापारी खुद पटेवा गांव जाकर किसानों से दोबारा इकरारनामा कराए, तब भी रजिस्ट्री नहीं कराई गई। आरोपियों ने पैसे लौटाने के नाम पर चेक दिए, जो बैंक में बाउंस हो गए। पुलिस जांच में सामने आया कि जमीन पहले ही किसी अन्य को बेची जा चुकी थी। इसके बाद शशिकांत तिवारी ने सिविल लाइंस थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर आरोपियों के खिलाफधोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

छोटे देवड़ा में गोंड़दी रैली

बकावंड, 12 सितम्बर (एजेंसी)।

जनपद पंचायत बकावंड ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा में बस्तर की माटी की प्रथम परम पूजनीय देवी मां दंतेश्वरी का आशीर्वाद लेकर बस्तर का परम्परा त्योहार नवाखनी पर्व के दूसरे दिन शनिवार को गोंड़दी रैली निकाली गई।

चाकू के साथ तीन युवक गिरफ्तार

रायपुर, 12 सितम्बर (एजेंसी)। मौदहापारा और गुढ़ियारी पुलिस ने अवैध चाकू के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चाकू जब्त किया है।

बीरगांव में आवारा कुत्तों का आतंक-2 साल की मासूम को कई जगह काटा, हालत नाजुक

रायपुर, 12 सितम्बर (एजेंसी)।

आवारा कुत्तों का आंतक राजधानी रायपुर सहित आस-पास के इलाकों में थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को गाजी नगर वार्ड क्रमांक 29 में दो साल की मासूम बच्ची घर के बाहर गली में निकली थी कि आधा दर्जन आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। मासूम के सिर, हाथ और गले पर गंभीर रूप से काट लिया है।बच्ची के सिर से दो जगह से मांस का लोथड़ा निकल गया है। बच्ची के चिल्लाने पर आस-पास के लोग दौड़े और कुत्तों को भगाया। मासूम को उपचार के लिए डीकेएस अस्पताल में भर्ती किया गया है जहां उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। डॉक्टर्स की टीम मासूम के उपचार में जुटी है।

जानकारी के मुताबिक गुलाम मुस्तफा बीरगांव निगम के गाजी नगर वार्ड क्रमांक 29 में परिवार के साथ रहते हैं। ऑटो चलाते हैं। शनिवार शाम पांच बजे अनाया घर के बाहर गली में निकली, तभी आधा दर्जन कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। बच्ची के शरीर में

करीब पांच जगह कुत्तों के दांत और नाखून के निशान हैं। सिर, हाथ और गाल पर बेहद गहरी चोट है। बच्ची दर्द से परेशान है। वह लगातार रो रही है। बच्ची के सिर की दो जगह सर्जरी होगी। क्योंकि सिर में दो जगह से मांस अधिक निकल गया है।बीरगांव के रहवासियों का कहना है कि कुत्तों का ऐसा आतंक है कि रात में अकेले नहीं निकल सकते। रात में कुत्ते सड़कों पर दौड़ाते हैं। इस तरह से घेर लेते हैं कि आप कहीं भाग नहीं सकते। यह एक जगह की बात नहीं है। पूरे वार्डों में ऐसा हो रहा है।बीरगांव में आवारा कुत्ते रोजाना 10 से 15 लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। बीरगांव निगम के पास कुत्तों को पकड़ने, नसबंदी करने की कोई सुविधा नही है। इसके साथ ही कुत्तों के काटने के बाद लगाने वाले इंजेक्शन बीरगांव के सरकारी हास्पिटल में नहीं मिल रहे हैं, इससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।हल निकालने की कोशिश करेंगे

कुत्तों को पकड़ने का कोई संसाधन नही है, लेकिन घटन गंभीर है। जनप्रतनिधियों के साथ बैठकर इसका जल्द से जल्द हल निकालने की कोशिश करेंगे।

बच्चों के लिये अच्छा करेंगे नारे ने आम जनों को स्कूल से जोड़ दिया, स्कूल बना दान का पवित्र स्थान

रायपुर, 12 सितम्बर (एजेंसी)।

सेजेस सिंगपुर के शिक्षकों की ओर से विद्यालय के रूपांतरण हेतु पालकों के समक्ष लगाए नारे - बच्चों के लिए अच्छा करेंगे ने विद्यालय को बदलने की बड़ी ताकत दी है। प्राचार्य डॉ व्ही .पी.चन्द्रा एवम शिक्षकों द्वारा एस एम सी सदस्य , सर्व समाज प्रमुख तथा आप पालकों से विद्यालय विकास हेतु लगातार संवाद का बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है। अब आमजन अपने पुत्र के जन्म दिन,वैवाहिक वर्षगॉठ एवम अपने परिजनों की पुण्य स्मृति में विद्यालय में आकर नेवता भोज तो करा ही रहे हैं,साथ साथ वाचनालय थाती को पुस्तक एवम अन्य सामग्री भेंटकर समृद्ध भी कर रहे हैं। सिंगपुर के पालक अब इस बात को भली भांति समझने लगे हैं कि अपने परिजनों की याद को जीवंत बनाने हेतु तथा दान देने के लिए स्कूल से बढ़कर और कोई दूसरा स्थान नहीं है।इसी बात को ध्यान में रखते हुए सिंगपुर निवासी प्रदीप कुमार साहू ने अपने पूज्य पिताजी की पुण्य स्मृति में सेजेस एवम अन्य स्कूल के बच्चों को नेवता भोज कराया । इसके अतिरिक्त वाचनालय की समृद्धि के लिये एन सी ई आर टी दिल्ली से प्रकाशित कॉम्पिटिशन की 6 पुस्तकें एवम सुभाष चंद्र बोस की तस्वीर सेजेस सिंगपुर को भेंट के रुप में दी। इस अवसर पर प्रदीप साहू ने कहा कि अपने परिजनों की स्मृति में दान के लिए स्कूल से बढ़कर कोई दूसरा पवित्र स्थान नहीं है। इसी बात को ध्यान में रखकर अपने पिता की स्मृति में उन्होंने बच्चे -अर्थात बोलने वाले भगवान के लिए पुस्तकें तथा सुभाषचन्द्र बोस की तस्वीर भेंट की है। उन्होंने आम लोगों को आह्वान भी किया है कि अपने परिजनों की याद को जीवंत बनाने के लिए स्कूल में आकर अपने मन पसन्द वस्तुएं विद्यालय को भेंट करें।

बिलासपुर में धर्मांतरण को लेकर हुआ जमकर बवालम्महिला का आरोप-पति-सास मिलकर धर्म बदलने बनाया दबाव, प्रार्थना सभा के नाम पर धर्मांतरण कराने पर हंगामा

बिलासपु, 12 सितम्बर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में धर्मांतरण का सिलसिला नहीं थम रहा है। रविवार को शहर की एक महिला ने अपने पति और सास पर जबरन धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाया है। वहीं, दूसरी घटना में प्रार्थना सभा को लेकर जमकर हंगामा हो गया। बजरंग दल और हिंदूवादी संगठनों ने प्रार्थना सभा के नाम पर हिंदुओं को धर्म बदलने के लिए ब्रेनवॉश करने का आरोप लगाया है। मामला सिविल लाइन और पचपेड़ी थाना क्षेत्र का है।

भारतीय नगर की रहने वाली पूजा सोनी रविवार की रात अपने बच्चे को लेकर हिंदूवादी संगठनों के साथ सिविल लाइन थाना पहुंची। सोनी परिवार की महिला ने आरोप लगाया कि उसका पति दुर्गेश सोनी और सास जानकी सोनी मिलकर उसे धर्म बदलने के लिए दबाव डाल रहे हैं। महिला का कहना है कि वो हिंदू धर्म को मानती है। लेकिन, उसका पति क्रिश्चियन धर्म मानने के लिए पिछले दो-तीन साल से परेशान कर रहा है।महिला ने बताया कि उसका पति उसे देवी-देवताओं की मूर्ति की पूजा करने के लिए मना करता है। प्रार्थना करने के लिए दबाव बनाता है। चंगाई प्रार्थना करने से उसकी समस्या दूर होने का दावा करता है। प्रार्थना के लिए के लिए उसे जबरदस्ती चर्च भी ले गया था। महिला ने इस मामले की शिकायत कर कार्रवाई करने की मांग की है।सिविल लाइन टीआई विजय चौधरी ने कहा कि महिला ने अपने पति और सास के खिलाफ शिकायत की है, जिसमें उसने जबरदस्ती धर्म बदलने का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर केस कर जांच की जा रही है। जांच के बाद नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।दूसरी घटना पचपेड़ी थाना क्षेत्र की है, जहां एक गांव में प्रार्थना सभा के नाम पर धर्मांतरण कराने का आरोप लगा है। हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं ने गांव पहुंचकर जमकर हंगामा मचाया और प्रार्थना सभा का विरोध किया। उनका आरोप है कि हिंदू समाज की महिलाओं और बच्चों को प्रार्थना सभा में बुलाकर बरगलाया जा रहा था।मामला ग्राम सुकुलकारी का है, जहां बड़ी संख्या में लोगों के साथ महिलाएं और बच्चे चंगाई सभा कर रहे थे। इसकी भनक लगते ही बजरंग दल और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता पहुंच गए। उन्होंने इस मामले की शिकायत पुलिस से की। जिसके बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।सुकुलकारी गांव में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के हंगामा मचाने और विरोध प्रदर्शन करने की जानकारी लोगों ने भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं को दी, जिसके बाद भीम आर्मी के कार्यकर्ता भी गांव पहुंच गए।

चाकू से राहगीरों को डराने-धमकाने वाले 2 गिरफ्तारम्दुर्ग में पुलिस ने हथियार के साथ दोनों को पकड़ा, न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल

दुर्ग-भिलाई , 12 सितम्बर (एजेंसी)।

दुर्ग के सिटी कोतवाली पुलिस ने धारदार चाकू से राहगीरों को डराने-धमकाने के दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने धारदार चाकू जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत जेल भेजा है।जानकारी के अनुसार, 7 सितंबर को पुलिस को सूचना मिली कि दबे पेट्रोल पंप के पास एक युवक चाकू लहराकर लोगों को डरा-धमका रहा है। इस पर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम आदित्य मिश्रा (25), निवासी गायत्री मंदिर, मिनीमाता चौक, पुलगांव बताया। आरोपी के पास से धारदार चाकू जब्त किया गया।इसी तरह दूसरी दूसरा मामला जिला अस्पताल नलघर रोड के पास का है। यहां एक युवक चाकू लेकर लोगों को डरा रहा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को पकड़ा। उसने अपना नाम यासीन खान (26 वर्ष), निवासी बासपारा, वार्ड नंबर 28, दुर्ग बताया।

सिम्स में नई मेडिकल मशीनों की देरी पर हाईकोर्ट सख्त, सरकार से मांगा शपथ पत्र पर जवाब

रायपुर, 12 सितम्बर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर में नई मेडिकल मशीनों की आपूर्ति में हो रही देरी पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। मंगलवार को चीफजस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बोंडी गुरु की खंडपीठ ने इस मामले को स्वत: संज्ञान में लेते हुए जनहित याचिका के रूप में सुनवाई की और राज्य शासन से शपथ पत्र पर विस्तृत जवाब मांगा।

कोर्ट ने स्पष्ट सवाल किया कि जब राज्य सरकार ने 15 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत कर दी है, तो अब तक मशीनों की आपूर्ति क्यों नहीं हुई? अदालत ने यह भी कहा कि सिम्स क्षेत्र का एकमात्र सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल है, जहां दूर-दराज से मरीज इलाज के लिए आते हैं। ऐसे में जरूरी मशीनों की अनुपलब्धता से इलाज की गुणवत्ता और जांच की सटीकता दोनों पर असर पड़ रहा है।जानकारी के मुताबिक, सिम्स प्रबंधन ने चिकित्सा सेवाओं को बेहतर करने के लिए शासन को दो प्रस्ताव भेजे थे—10 करोड़ और 5 करोड़ रुपये के। बजट को स्वीकृति मिलने के चार महीने बाद भी एक भी मशीन अस्पताल तक नहीं पहुंची है। इस दौरान, सिम्स ने स्थ्वष्ट्ररु के छ्रस्क्र फंड और अन्य स्त्रोतों से 66 लाख रुपये की लागत से कुछ मशीनें जैसे सोनोग्राफी और डायलिसिस यूनिट खरीदी हैं, लेकिन ये अत्यंत सीमित हैं और संस्थान की जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ हैं।सिम्स में कार्यरत डॉक्टरों का कहना है कि अगर नई और उन्नत मशीनें उपलब्ध हो जाएं, तो जांच प्रक्रिया तेज होगी और इलाज की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आएगा। फ्लिहाल, कई जरूरी जांचों के लिए मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता है या निजी लैब का सहारा लेना पड़ता है।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

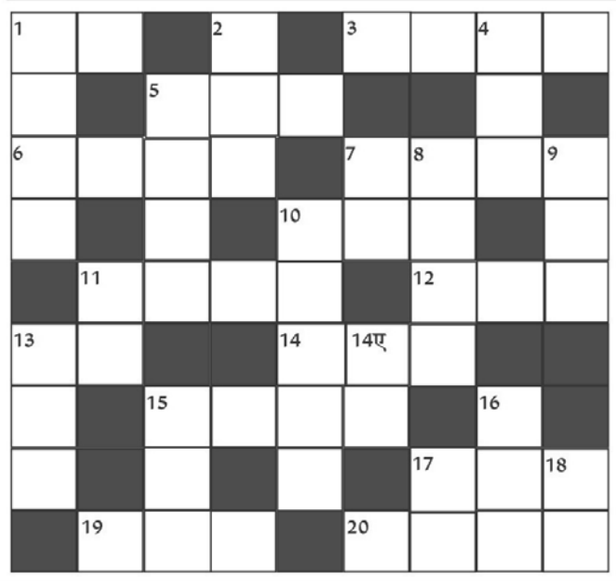

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

मैच से पहले अभिषेक ने तैयारियों को परखा, अर्शदीप ने भी वैकल्पिक सत्र में फिटनेस अभ्यास किया

दुबई ,12 सितंबर(एजेंसी)। आईसीसी अकादमी में टीम के अभ्यास सत्र में सब की निगाहें अभिषेक पर थी। इस युवा वामहस्त बल्लेबाज ने गेंद को ज्यादा ताकत से नहीं मारा, लेकिन हाथों और आंखों के शानदार सामंजस्य से गेंद को दूर तक हवा में उड़ाने में सफल रहे।यूएई के खिलाफ एशिया कप मुकाबले से पहले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मंगलवार को वैकल्पिक नेट सत्र में हिस्सा लिया।इस दौरान अभिषेक ने अपनी तैयारियों को परखा।अभिषेक पर भारत को मजबूत शुरुआत दिलाने का जिम्मा रहेगा। भारतीय टीम के लिए यह वैकल्पिक अभ्यास सत्र था। इस दौरान जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन और तेज गेंदबाज हर्षित राणा जैसे खिलाड़ियों ने आराम करने का फैसला किया।आईसीसी अकादमी में टीम के अभ्यास सत्र में सब की निगाहें अभिषेक पर थी। इस युवा वामहस्त बल्लेबाज ने गेंद को ज्यादा ताकत से नहीं मारा, लेकिन हाथों और आंखों के शानदार सामंजस्य से गेंद को दूर तक हवा में

उड़ाने में सफल रहे। उनके शॉट पर कई गेंदें अभ्यास सुविधा के बाहर जाकर गिरीं। उन्होंने एक घंटे के अभ्यास के दौरान लगभग 25 से 30 छह रन वाले शॉट खेले। इस दौरान उपकप्तान शुभमन गिल भी शानदार लय में दिखे। उन्होंने सहजता के साथ क्रीज से बाहर निकल कर एक्स्ट्रा कवर के क्षेत्र में शॉट खेले। वह हालांकि स्थानीय नेट गेंदबाज की एक गेंद पर चूक गए और गेंद उनके ऑफ स्टंप से टकरा गई।

अर्शदीप ने गेंदबाजी के बजाए फिटनेस पर दिया ध्यानबाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रॉक्स की निगरानी में फिटनेस अभ्यास किया। अर्शदीप सबसे पहले अभ्यास सत्र के लिए पहुंचे लेकिन उन्होंने गेंदबाजी के बजाय अपनी फिटनेस पर ज्यादा ध्यान दिया। ले रॉक्स की देखरेख में उन्होंने 10, 20 और 40 मीटर पर रखे गए कोन के साथ कई बार स्प्रिंट और शटल अभ्यास किए। इसे आमतौर पर ब्रोंको टेस्ट के रूप में जाना जाता है। सैमसन के अभ्यास सत्र के विश्राम करने के उलट विकेटकीपर जितेश शर्मा ने अपना अभ्यास जारी रखा। उन्होंने क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप की देखरेख में मुश्किल कैच लपकने का अभ्यास किया।

श्रीलंका ने एशिया कप में अभियान शुरू करने से पहले टीम में किया बदलाव, इस खिलाड़ी को किया शामिल

कोलंबो ,12 सितंबर(एजेंसी)। सीमित ओवरों के विशेषज्ञ 30 वर्षीय लियानागे ने अब तक 28 वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उनके नाम पर 824 वनडे अंतरराष्ट्रीय रन हैं।

श्रीलंका ने एशिया कप में अपना अभियान शुरू करने से ठीक पहले ही टीम में बदलाव किया है और जेनिथ लियानागे को शामिल किया है। लियानागे की इस तरह तीन साल बाद टी20 टीम में वापसी हुई है।

श्रीलंका ने एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित की है और टीम चरित असलंका की अगुआई में खेलने उतरेगी। श्रीलंका का इस बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में पहला मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ अबु धाबी में होगा।

सीमित ओवरों के विशेषज्ञ 30 वर्षीय लियानागे ने अब तक 28 वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उनके नाम पर 824 वनडे अंतरराष्ट्रीय रन हैं। उन्होंने हाल ही में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था जिसमें उन्होंने नाबाद 70 और 19 रन की पारियां खेली थी जिससे श्रीलंका ने वनडे सीरीज 2-0 से जीती। हालांकि लियानागे ने पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच फरवरी 2022 में भारत के खिलाफ धर्मशाला में खेला था।एशिया कप के लिए श्रीलंका की संशोधित टीम- चरित असलंका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसाल मेंडिस, कुसाल परेरा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, दुनिथ वेलालागे, चमिका करुणारत्ने, महीश तीक्षणा, दुष्मंता चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना और जेनिथ लियानागे।

अगले साल सात फरवरी से शुरू हो सकता है टी20 विश्व कप, भारत के इतने स्थानों पर मैच संभव

नई दिल्ली ,12 सितंबर(एजेंसी)। आईसीसी अभी कार्यक्रम को अंतिम रूप दे रहा है, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, टूर्नामेंट की विंडो तय हो चुकी है और इसे भाग लेने वाले देशों के साथ साझा किया जा चुका है।अगले साल होने वाला टी20 विश्व कप सात फरवरी से लेकर आठ मार्च तक आयोजित हो सकता है। इस वैश्विक टूर्नामेंट की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि भारत के कम से कम पांच स्थानों में टी20 विश्व कप के मैच होंगे, जबकि श्रीलंका के दो स्थान इस टूर्नामेंट के मुकाबलों की मेजबानी करेंगे। फाइनल अहमदाबाद या कोलंबो में खेला जाएगा। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि पाकिस्तान फाइनल में पहुंच रहा है या नहीं। भारत और पाकिस्तान की टीमें एक दूसरे के देश में नहीं खेल रही हैं जिस कारण इनके मैच तटस्थ स्थल पर रखे जा रहे हैं। आईसीसी अभी कार्यक्रम को अंतिम रूप दे रहा है, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, टूर्नामेंट की विंडो तय हो चुकी है और इसे भाग लेने वाले देशों के साथ साझा किया जा चुका है। टी20 विश्व कप 2026 का प्रारूप 2024 की ही तरह रहेगा जहां 20 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाएगा जिसमें प्रत्येक ग्रुप में पांच टीमें शामिल होंगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सुपर आठ चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी और इन आठ टीमों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। इसमें से प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। भारतीय टीम गत चैंपियन है जिसने 2024 में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था। इस बार टूर्नामेंट में कुल 55 मुकाबले खेले जाएंगे।

कभी गिल को कराया था बल्लेबाजी अभ्यास, अब उन्हीं के सामने होगा यूएई का यह गेंदबाज, सुनाया किस्सा

दुबई ,12 सितंबर (एजेंसी)। यूएई के बाएं हाथ के स्पिनर 35 वर्षीय सिमरनजीत सिंह के लिए भारत के खिलाफ किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय मैच से अलग है। उन्होंने बताया कि किस तरह वह एक समय शुभमन गिल को बल्लेबाजी अभ्यास कराते थे।भारत और यूएई की टीमें एशिया कप में बुधवार को आमने-सामने होंगी। दोनों टीमों इस मुकाबले से

टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। यूएई के बाएं हाथ के स्पिनर 35 वर्षीय सिमरनजीत सिंह के लिए भारत के खिलाफ किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय मैच से अलग है। उन्होंने इस मुकाबले से पहले याद किया कि किस तरह एक समय उन्होंने मोहाली में पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) के नेट्स पर शुभमन गिल को बल्लेबाजी अभ्यास कराया था। सिमरनजीत बोले- शुभमन जब 12 साल के थे तबसे उन्हें जानता हूंसिमरनजीत ने मैच से पहले न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, मैं शुभमन को तब से जानता हूं, जब वह बच्चा था लेकिन पता नहीं उसे मैं याद हूं या नहीं। यह 2011-12 की बात होगी जब शुभमन 11 या 12 साल का रहा होगा। हम मोहाली में पीसीए अकादमी पर सुबह छह से 11 बजे तक अभ्यास करते थे। शुभमन अपने पिता के साथ सुबह 11 बजे आता था। मैं अपने नेट सत्र के बाद काफी अतिरिक्त गेंदबाजी करता था। पता नहीं अब वह मुझे पहचानेगा या नहीं लेकिन उन दिनों मैने उसे काफी गेंदबाजी की है।यूएई के लिए कैसे खेलना किया शुरू?सिमरनजीत ने अपने करियर की शुरुआत पंजाब डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट से की थी और वह 2017 में रणजी ट्रॉफी के लिए संभावित खिलाड़ियों में शामिल थे। वह आईपीएल फ्रेंचाइजी किंग्स 11 पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के लिए नेट गेंदबाज भी रहे, लेकिन कोविड-19 महामारी ने उनका रास्ता मोड़ दिया। उन्होंने कहा, %मैं अप्रैल 2021 में 20 दिनों के अभ्यास के लिए दुबई आया था, लेकिन भारत में कोरोना की दूसरी लहर के कारण वापस नहीं लौट सका और यहीं रह गया।% इससे वह यूएई के लिए खेलने के पात्र हो गए चूंकि घरेलू क्रिकेट में तीन और सत्र खेलने की जरूरत थी। उन्होंने पात्रता की शर्त पूरी करने के बाद मुख्य कोच लालचंद राजपूत से संपर्क करके ट्रायल लेने का अनुरोध किया।कोच लालचंद राजपूत ने भी की प्रशंसा यूएई के कोच लालचंद राजपूत ने भी सिमरनजीत की काफी प्रशंसा की और उन्हें प्रतिभाशाली गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा, %टी20 क्रिकेट में बाएं हाथ के हर स्पिनर में गेंद को लगातार फ्लाइट देने की हिम्मत नहीं होती। सिमरन को पता है कि फ्लाइट से विकेट कैसे लिए जाते हैं।% पंजाब के इस गेंदबाज ने अब तक 12 टी20 मैचों में 15 विकेट लिए हैं। यह पूछने पर कि उनका परिवार भारत के खिलाफ मैच में किसका समर्थन करेगा, उन्होंने कहा, यह कठिन फैसला है। मेरा सपना भारत के लिए खेलने का था लेकिन अब मैं यूएई के लिए खेल रहा हूं तो लगता है कि वे यूएई का समर्थन करेंगे।

मैं आपको टीम मैसेज कर दूंगा, सैमसन के चयन के सवाल पर सूर्यकुमार ने मजाकिया अंदाज में दिया जवाब

दुबई ,12 सितंबर(एजेंसी)। शुभमन गिल की टी20 टीम में वापसी के बाद से ही संजू सैमसन के लिए प्लेइंग-11 में जगह बनाना चुनौतीपूर्ण हो गया है क्योंकि गिल की अनुपस्थिति में वह ओपनिंग के लिए उतर रहे थे।भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव एशिया कप शुरू होने से पहले कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कूल मूड में नजर आए। पत्रकार ने जब उनसे संजू सैमसन के चयन पर सवाल किया तो सूर्यकुमार ने अपने पत्ते नहीं खोले और मजाकिया अंदाज में कहा कि वह उन्हें पूरी टीम मैसेज करके बताएंगे। एशिया कप की शुरुआत मंगलवार से हो रही है, लेकिन भारत इसमें अपने अभियान की शुरुआत बुधवार को यूएई के खिलाफ होने वाले मैच से पहले करेगा। गिल की वापसी से सैमसन के लिए राह हुई मुश्किल शुभमन गिल की टी20 टीम में वापसी के बाद से ही संजू सैमसन के लिए प्लेइंग-11 में जगह बनाना चुनौतीपूर्ण हो गया है क्योंकि गिल की अनुपस्थिति में वह ओपनिंग के लिए उतर रहे थे। यह लगभग तय है कि गिल अभिषेक के साथ पारी की शुरुआत करेंगे।

व्यापार

सुगम यात्रा के लिए सेवा सुधार पर ध्यान दे रही एयर इंडिया, कैंपबेल विल्सन ने नई पहल की दी जानकारी

नई दिल्ली ,12 सितंबर(एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए भीषण हादसे के बाद से एअर इंडिया के विमानों में तकनीकी खामियों की कई खबरें सामने आई हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा और उड़ाने में देरी के सवाल खड़े हुए हैं। इन सबको लेकर अब विमानन कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने सफाई दी है। हालिया घटनाओं को लेकर उठ रहे सवालों पर सफाई देते हुए उन्होंने कहा है कि समूह के विशाल पैमाने पर विमानन सेवाओं के संचालन को देखते हुए इन घटनाओं की दर सामान्य है।

विल्सन ने कहा कि एयर इंडिया समूह हर रोज 1,200 से अधिक उड़ानों का संचालन करता है। इतने बड़े पैमाने पर जब संचालन होता है तो स्वाभाविक रूप से कुछ घटनाएं सामने आती हैं। परंतु इन्हें सामान्य संदर्भ में देखा जाना चाहिए। आगे उन्होंने जोर देकर कहा कि कंपनी ने अब पहले से अधिक पारदर्शिता के साथ घटनाओं की रिपोर्टिंग करना शुरू कर दिया है, जिससे कि लंबे समय के लिए यात्रियों का भरोसा मजबूत किया जा सके।आगे उन्होंने यात्रियों की शिकायतों को लेकर एक नई पहल के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि एयरलाइन अपने केबिन क्रू को सेवा में कमियों की भरपाई के लिए उड़ान के दौरान ही यात्रियों को ई-वाउचर प्रदान करने की अनुमति देने की योजना बना रही है। यह इसलिए किया जा रहा है ताकि उड़ान के दौरान यदि किसी यात्री को असुविधा होती है, तो मौके पर ही उसे मुआवजा दिया जा सके। यह योजना यात्रियों द्वारा सेवा संबंधी समस्याओं, तथा कुछ विमानों में तकनीकी खराबी के कारण उड़ानों के रद्द होने और देरी की शिकायत की पृष्ठभूमि में बनाई गई है।टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने पिछले दिनों कई तकनीकी दिक्कतों और देरी की घटनाओं के कारण सुर्खियां बटोरी थीं। कंपनी इन परिस्थितियों से निपटने के लिए अपने बेड़े की विश्वसनीयता बढ़ाने और संचालन को बेहतर बनाने पर काम कर रही है। आम सहमति पर पहुंचने से पहले सभी बिंदुओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

घर से निकलेगा बचने का रास्ता, संभालें अपना सिबिल स्कोर

नई दिल्ली ,12 सितंबर(एजेंसी)।कोविड महामारी हमारी सेहत पर ही नहीं जेब पर भी भारी पड़ी। नौकरियां छूटीं, सैलरी घटी, बचतें टूटीं। बड़ी परेशानी होम लोन लेने वाले ग्राहकों को झेलनी पड़ी।?अगर आप होम लोन की किस्तें चुकाने में मुश्किल झेल रहे हैं, तो आइए जानते हैं कि ऐसे कौन से विकल्प हैं, जिससे आप कर्ज संकट से निकल सकते हैं।

कोविड-19 महामारी ने देश के आर्थिक हालात को पूरी तरह बदल दिया है।?इसका प्रभाव यह हुआ कि कई लोगों की नौकरियां चली गईं। एक नौकरीपेशा व्यक्ति आमतौर पर अपने खर्चे और जिम्मेदारियां उसी हिसाब से तय करता है, जितनी कमाई होती है। ज्यादातर लोग बैंकों या वित्तीय संस्थानों से होम लोन लेकर घर बनाते हैं।?मार्सेलस इनवेस्टमेंट मैनेजर्स की एक रिपोर्ट बताती है कि कोविड के दौरान कर्ज लेने वाले हर 10 मिडिल क्लास परिवार में से एक अपना लोन नहीं चुका पाएगा। इन लोगों के लिए समय पर किस्तें भरना मुश्किल हो गया है और अब उन्हें बैंक से नोटिस मिल रहे हैं या उनके चेक बाउंस होने की स्थिति पैदा हो रही है। इस समस्या को लेकर बैंकों ने आरबीआई के समक्ष चिंता जताई है।

कोविड के दौरान लोगों की घटी आय को देखते हुए आरबीआई ने कर्जदारों को राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाया। इनमें किस्तों पर मोहलत (मोरेटोरियम) देना और कर्ज चुकाने की अवधि बढ़ाना शामिल था। लेकिन, ये उपाय उन्हीं लोगों के लिए पर्याप्त थे, जो कोविड के बाद भी अपनी आर्थिक स्थिति बनाए रख पाए।?

बैंक से उतना ही कर्ज लें, जितना आसानी से चुका सकें।?लेकिन, कोविड जैसी अप्रत्याशित घटना ने कुछ लोगों की आमदनी और कर्ज का गणित बिगाड़ दिया।?होम लोन लेकर घर खरीदने वाले कई लोगों की कोविड के कारण?ऐसी स्थिति बन गई कि उनके लिए ईएमआई भरना मुश्किल हो गया। अगर आप होम लोन के जाल में फंस गए हैं तो आइए समझते हैं कि आपके पास क्या विकल्प हैं?किस्तें भरने में खुद को असमर्थ पा रहे हैं, तो सबसे

पहले बैंक से संपर्क करें। अपनी समस्या बताएं और कर्ज के रिस्ट्रक्चरिंग की मांग करें। बैंक आपको कर्ज अवधि बढ़ाने का विकल्प दे सकता है, जिसकी मदद से आप पर किस्तों का बोझ कम हो जाएगा।अगर निवेश के लिए दूसरा घर खरीदा था, तो फिर कर्ज के जाल में फंसे रहना कोई समझदारी नहीं है। ऐसे में अच्छा विकल्प होगा कि बैंक से मिलकर उस प्रॉपर्टी को बेच दें।?बिक्री से मिले पैसे से लोन चुका दें। इससे बैंक के साथ आपका रिकॉर्ड साफ-सुथरा रहेगा।अगर लोन खुद रहने के लिए लिया है, तो एक रास्ता यह है कि बड़े घर को बेचकर छोटा मकान खरीदें, जिसकी ईएमआई आपकी मौजूदा आय में आसानी से भरी जा सके। आप एक नया, छोटा लोन लेकर पुराने कर्ज को सेटल कर सकते हैं। जरूरी है कि आप बैंक को सब कुछ बताएं और उसके सहयोग से ही कोई कदम उठाएं।सबके लिए बैंक रिकॉर्ड बेहतर रखना जरूरी है, क्योंकि इसका सीधा असर सिबिल स्कोर पर पड़ता है। अगर आपकी किस्तें समय पर नहीं जाती हैं या बकाया रहता है, तो आपका सबिल स्कोर तुरंत गिर जाता है। अगर सिबिल स्कोर खराब हो गया, तो सिर्फ आपका बैंक ही नहीं, बल्कि अन्य बैंक भी आपको कर्ज देने से परहेज करेंगे।बात सिर्फ कोविड और उसके बाद की स्थितियों की नहीं है, यह सलाह हर परिस्थिति में लागू है।

विदेशी निवेशक लगातार बिकवाली कर रहे, वृद्धि के साथ लाभांश देने वाली कंपनियों में करें निवेश

नई दिल्ली ,12 सितंबर(एजेंसी)।पिछले एक साल में बाजार ज्यादातर स्थिर रहे हैं। कॉरपोरेट की कमाई भी खास नहीं रही। विदेशी निवेशक लगातार बिकवाली कर रहे हैं। ऐसे में वृद्धि के साथ लाभांश देने वाली कंपनियों में निवेश फायदेमंद हो सकता है। इसका पूरा गणित बताती रिपोर्ट-बाजार जब स्थिर हो या बहुत कम फायदा दे रहा हो, तो फ्लैक्सीकैप निवेश एक पसंदीदा विकल्प बन जाते हैं। हालांकि, एक और बढ़िया विकल्प डिविडेंड यील्ड इक्विटी फंड भी है। ये वो फंड होते हैं, जो वृद्धि वाली और साथ ही लाभांश देने वाली कंपनियों में निवेश करते हैं। ये उन कंपनियों पर ध्यान देते हैं, जो अधिक डिविडेंड देती हैं। लेकिन, इससे लंबे समय में पूंजी में वृद्धि कम होती है। इससे रिटर्न भी अक्सर औसत से कम रहता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल डिविडेंड यील्ड इक्विटी बाकी फंड्स से अलग इसलिए है, क्योंकि ये ऐसी कंपनियों में निवेश करता है, जो न केवल स्थिर लाभांश देती हैं, बल्कि लंबे समय में अच्छे ग्रोथ का भी वादा करती हैं। फंड को बाजार पूंजी और प्रबंधन के तरीके में पूरी आजादी होती है। इसलिए, ये मध्यम से लंबे समय में अपने बेंचमार्क और बाकी फंड्स से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है।

भारत-इस्त्राइल अगले हफ्ते कर सकते हैं द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर, एफटीए की रखेंगे नींव

नई दिल्ली ,12 सितंबर(एजेंसी)। भारत और इस्त्राइल अगले हफ्ते द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। यह कदम दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को नई गति देगा।भारत और इस्त्राइल इस सप्ताह द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआआटी) पर हस्ताक्षर करने की संभावना है। यह संधि दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की नींव तैयार करेगी। इस्त्राइल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच 8 से 10 सितंबर तक तीन दिवसीय भारत दौरे पर आ रहे हैं। यात्रा के दौरान वे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात करेंगे।सूत्रों के अनुसार, इस दौरे का उद्देश्य भारत-इस्त्राइल के आर्थिक व वित्तीय संबंधों को गहरा करना और बीआईटी व एफटीए जैसे अहम समझौतों के लिए आधार तैयार करना है। बीआईटी पर बातचीत पूरी हो चुकी है और दोनों वित्त मंत्री इसके हस्ताक्षर करेंगे। यह संधि भारतीय और इस्त्राइली निवेशकों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुरक्षा उपलब्ध कराएगी। इसमें स्वतंत्र मध्यस्थता मंच की ओर से विवाद समाधान, अधिग्रहण से

सुरक्षा, पारदर्शिता और नुकसान की भरपाई जैसे प्रावधान शामिल हैं। इससे निवेशकों का विश्वास और सहजता बढ़ने की उम्मीद है। इस्त्राइल ने वर्ष 2000 से अब तक 15 से अधिक देशों के साथ बीआईटी पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें यूएई, जापान, फिलीपींस, थाईलैंड और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

भारत-इस्त्राइल के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 4 अरब अमेरिकी डॉलर वार्षिक है। 2000 से 2025 तक भारत से इस्त्राइल में कुल निवेश 44.3 करोड़ डॉलर और इसी अवधि में इस्त्राइल का भारत में एफडीआई योगदान 33.42 करोड़ डॉलर रहा। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस्त्राइल की हाई-टेक इनोवेशन और भारत की बड़ी बाजार क्षमता उन्हें स्वाभाविक साझेदार बनाती है। दोनों देश फिनटेक सेक्टर में भी मजबूत सहयोग कर सकते हैं, जहां भारत का डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और यूपीआई प्लेटफॉर्म तथा इस्त्राइल की साइबर सुरक्षा और ब्लॉकचेन विशेषज्ञता एक-दूसरे को पूरक बनाती है।

स्मोट्रिच अपने दौरे में दिल्ली और मुंबई के साथ गिफ्ट सिटी (गांधीनगर) भी जाएंगे। यहां अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) वैश्विक स्तर की बैंकिंग, बीमा, पूंजी बाजार और फंड मैनेजमेंट सेवाएं प्रदान करता है। दोनों देश विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) जैसे संस्थानों के सक्रिय सदस्य हैं और तीसरे देशों, खासतौर से ग्लोबल साउथ, में संयुक्त निवेश परियोजनाओं को बढ़ावा दे सकते हैं।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3.51 बिलियन डॉलर बढ़कर 694.23 बिलियन डॉलर हुआ

मुंबई,12 सितंबर(एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 29 अगस्त को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3.51 बिलियन डॉलर बढ़कर 694.23 बिलियन डॉलर हो गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार के एक प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां का मूल्य सप्ताह के दौरान 1.69 बिलियन डॉलर बढ़कर 583.94 बिलियन डॉलर हो गया है। विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव डॉलर के रूप में शामिल होता है।सप्ताह के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार के अहम घटकों में से एक गोल्ड रिजर्व 1.77 बिलियन डॉलर बढ़कर 86.77 बिलियन डॉलर हो गया। भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न अनिश्चितता के बीच, दुनिया भर के केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सुरक्षित निवेश के रूप में गोल्ड के रिजर्व को तेजी से बढ़ा रहे हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने के शेयर को 2021 से लगभग दोगुना कर लिया है।समीक्षा अवधि के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में विशेष आहरण अधिकार का मूल्य 40 मिलियन डॉलर बढ़कर 18.78 बिलियन डॉलर हो गया।

त्योहारी सीजन नजदीक, शहर की यातायात व्यवस्था का बुरा हाल

जाम की समस्या हो रही निर्मित, हादसे की बनी रहती है आशंका

कोरबा (छ.ग.गौरव)। त्योहारी सीजन नजदीक है। शहर की यातायात व्यवस्था का बुरा हाल है। लोग जहां-तहां गाड़ियां खड़ी कर रहे हैं। इसकी वजह से आए दिए जाम की समस्या निर्मित हो रही है। वहीं हादसे की आशंका बनी हुई है। लोगों की परेशानी दूर नहीं हो रही है, वहीं वाहन चालकों की भी समस्या बढ़ गई है।

पावर हाउस ओवरब्रिज से सर्वमंगला रोड पर फलों का ठलों की लंबी कतार लगी रहती है। लोग फल खरीदने के लिए चार पहिया व दो पहिया वाहन चाड़क बीच सड़क पर गाड़ी खड़ी देते हैं। इस दौरान मार्ग पर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। इस मार्ग पर दोपहिया, चारपहिया, बस, सिटी बस, स्कूल बस, ऑटो सहित अन्य वाहनों का दिनभर दबाव रहता है। बावजूद इसके समस्या पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सबसे अधिक परेशानी रेलवे फाटक बंद होने पर होती है। पावर हाउस रोड से ट्रांसपोर्ट नगर तक वाहनों की बेतरतीब पार्किंग लोगों की समस्या बढ़ा रही है। लोग सामानों की खरीदी करने दुकान पहुंच रहे हैं। वे दुकान के सामने ही दोपहिया व चारपहिया वाहनों को सड़क के किनारे या फिर सड़क पर ही बेतरतीब ढंग से खड़ी कर रहे है। वहीं कुछ कारोबारी ग्राहकों को लुभाने के लिए सामानों की प्रदर्शनी सड़क पर लगा रहे हैं। यह समस्या सबसे अधिक पावर हाउस रोड पर है। मार्ग पहले से ही संकरा है। इसमें भी वाहनों की बेतरतीब पार्किंग और सड़क पर सामानों की प्रदर्शनी से लोगों को आवाजाही में काफी असुविधा हो रही है। पुलिस प्रशासन ने शहर की यातायात व्यवस्था दुरूस्त करने के लिए सड़क के किनारे पीले रंग की पट्टी खींची गई है। कारोबारी और वाहन चालकों को इस पट्टी के बाहर सड़क पर वाहनों के खड़ी करने से मना किया है। बावजूद इसके वाहन चालक इसे लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। लोग गाड़ी खड़ी कर सामान खरीदी में कई घंटे व्यस्त रहते हैं। इधर बाहर सड़क पर अन्य वाहन चालकों को असुविधा हो रही है। वहीं जाम की स्थिति निर्मित होती रही है। कई बार हादसे का डर भी बना रहता है। पखवाड़े भर के भीतर ही नवरात्र पर्व प्रारंभ हो जाएगी। इस दौरान बाजार में यातायात का दबाव और बढ़ेगा। लेकिन लापरवाह वाहन चालकों पर कार्रवाई नहीं हो रही है। इसके कारण समस्या जस की तस बनी हुई है। ट्रांसपोर्ट नगर के नया बस स्टैंड प्रवेश द्वार जाने वाले तिराहा पर ऑटो और बस की अघोषित स्टैंड बन चुकी है। पावर हाउस से टीपी नगर होते हुए नया बस स्टैंड जाने वाले तिराहा मोड़ के दोनों तरफ ऑटो सहित अन्य चार पहिया गाड़ियां बेतरतीब ढंग से आए दिन खड़ी रहती है। वहीं नया बस स्टैंड से बसों के निकलने के साथ ही चालक बसों को इस तिराहे के समीप 10 से 15 मिनट के लिए खड़ी कर दी जाएगी। इससे मार्ग पर जाम की स्थिति निर्मित होती रहती है। ओवरब्रिज फाटक की वजह से आए दिन जाम की स्थिति रहती है। इसके बाद भी आसपास के लोग दो पहिया व चार पहिया वाहनों को ओवरब्रिज के नीचे बीच सड़क पर खड़ी कर दी जाती है। यह स्थिति फाटक के दोनों ओर रहती है।

बसों ने बढ़ाई परेशानी

जिला प्रशासन ने कुछ माह पहले ही पावर हाउस रोड पर जाम की समस्या को दूर करने के लिए पावर हाउस रोड पर बसों के प्रवेश पर रोक लगाई गई थी। बावजूद इसके बस इसका पालन नहीं कर रहे हैं। बसों को राताखार बायपास ले जाने की बजाए शहर के भीतर होकर गाड़ी निकाल रहे हैं।

शावक को लेकर हाथियों ने बदला लोकेशन

रास्ते में कई किसानों की फसल को रौंदा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कटघोरा वनमंडल के केंदई रेंज में बड़ी संख्या में विचरण कर रहे हैं। हाथियों की संख्या बढक़र 66 हो गई है। हाथियों के दल में एक दिन पहले नया मेहमान आया है। दल में शामिल एक गर्भवती हथनी ने केंदई रेंज के सखोदा सर्किल में एक स्वस्थ शावक को जन्म दिया।

हाथियों का दल इस दौरान यहां काफी देर तक ठहरा रहा। हथिनी के जन्म देने की जानकारी मिलने पर वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और निगरानी करता रहा। सुबह होने से पहले हाथियों का यह दल नन्हे शावक को लेकर लालपुर सर्किल के जंगल में पहुंचने के साथ डेरा डाल दिया है। हाथियों के दल ने यहां आने से पहले रास्ते में पांच से अधिक किसानों की फसल को नुकसान पहुंचाया है। नए मेहमान के आने से लालपुर क्षेत्र में हाथियों की संख्या 27 हो गई है। इससे पहले 26 हाथी सखोदा व लालपुर में विचरण कर रहे थे। केंदई रेंज के मदनपुर में 12, कापानवापारा में 11 तथा कोरबी सर्किल के खडफ़ड़ीपारा में 16 हाथी लगातार घूम रहे हैं जो दिन भर जंगल में रहने के बाद शाम होते ही वहां से निकलकर खेतों में पहुंचते हैं और रात भर उत्पात मचाते हैं। हाथियों के दल ने बीती रात भी उपरोक्त स्थानों पर उत्पात मचाते हुए एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों के फसल को तहस-नहस किया है।

बाढ़ की चपेट में आकर मुक्तिधाम का आधा हिस्सा बहा

पिचिंग कार्य नहीं होने से अंतिम संस्कार में होगी परेशानी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कुछ दिन पूर्व अहिरन नदी में बाढ़ आने के कारण मालदा घाट स्थित मुक्तिधाम का अधिकांश हिस्सा बह गया है। जिसके कारण अब अंतिम संस्कार में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। पुरानी बस्ती मुक्ति धाम में लगभग तीन वार्ड के लोग अंतिम संस्कार करने ले लिए जाते हैं। यदि मुक्तिधाम के किनारे को बचाने के लिए पिचिंग नहीं किया जाएगा तो अंतिम संस्कार करने में परेशानी होगी। पंचिंग कार्य नहीं हुआ तो निश्चित ही मुक्तिधाम के शेड का अंतिम संस्कार हो जाएगा और बाढ़ में विलीन हो जाएगा। सबसे पुराना मुक्तिधाम पानी की चपेट में आकर आधा बह चुका है। फिर वैसी बरसात होगी तो निश्चित ही मुक्तिधाम पूरा बह जाएगा इसमें कोई संदेह नहीं है। नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री जायसवाल के कार्यकाल में मालदा घाट मुक्ति धाम के नदी किनारे 8 लाख रुपए में 2007-08 में पिचिंग कार्य हुआ था। उसके बाद आज दिनांक तक किसी प्रकार का पिचिंग कार्य नहीं हुआ है। अब यह देखना है कि नगर पालिका मुक्तिधाम में कब तक सुधार कार्य करती है। पुरानी बस्ती निवासी अमित जायसवाल समाजसेवी ने कहा कि यदि मुक्ति धाम की समस्या का समय रहते हल नहीं किया जाएगा तो भविष्य में भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वार्ड नं. 10 पुरानी बस्ती पार्षद सुनीता आशीष जायसवाल ने कहा कि मुक्तिधाम अहिरन नदी किनारे काफी वर्षों से बना हुआ है। अब नदी के पानी के कटाव से धीरे-धीरे मुक्तिधाम छोटो होता जा रहा है। इसे बचाने के लिए नगर पालिका फंड से पिचिंग कार्य किया जाए, अन्यथा अंतिम संस्कार में परेशानी बढ़ जाएगी।

हरदीबाजार क्षेत्र की तीसरी आंख से होगी निगरानी

एसईसीएल ने ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराए 10 सीसीटीवी कैमरे

कोरबा (छ.ग.गौरव)। एसईसीएल दीपका क्षेत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) मद से परियोजना प्रभावित ग्राम हरदी बाजार में ग्रामीणों, महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पहल की गई है। इसके लिए 10 सीसीटीवी कैमरा दीपका क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबंधक संजय कुमार मिश्रा द्वारा ग्राम पंचायत हरदीबाजार के सदस्यों को उपलब्ध कराया गया।

श्री मिश्रा ने कहा कि दीपका क्षेत्र के द्वारा कोयला उत्पादन के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सीएसआर के तहत विभिन्न कार्यों के द्वारा सतत विकास का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों द्वारा इस पहल के लिए एसईसीएल का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का आयोजन दीपका क्षेत्र के क्षेत्रीय स्तर की सीएसआर समिति के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभागाध्यक्ष, नोडल अधिकारी (सीएसआर), ग्राम हरदी बाजार के वार्ड पंच व अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। स्वयं सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से दीपका क्षेत्र द्वारा सीएसआर अंतर्गत ग्राम रतिजा में परियोजना प्रभावित ग्रामों रतिजा, चैनपुर, हरदीबाजार व सरईसिंगार के स्वयं सहायता समूहों के लिए मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मिश्रा रहे। विशिष्ट अतिथि ग्राम रतिजा की सरपंच कविता कंवर, मशरूम उत्पादन प्रशिक्षक परमेश्वरी सिंह, दीपका क्षेत्र के स्टाफ अधिकारी (सिविल), स्टाफ अधिकारी (एचआर), नोडल अधिकारी (सीएसआर), विभिन्न स्वयं सहायता समूह व अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। परमेश्वरी सिंह ने दो दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे महिलाओं को ऑस्टर और पैरा मशरूम की खेती की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें प्रैक्टिकल करके भी दिखाया कि कैसे मशरूम की खेती की जाती है ।

वैकल्पिक रोजगार की मांग को लेकर सौंपा गया ज्ञापन

प्रबंधन ने दिया बैठक कर समस्या समाधान का आश्वासन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। खदान प्रभावित बिंझारी, खुसरुडीह, जूनाडीह, बेलटिकरी, दीपका, ढुरेना, विजयनगर के भूविस्थापितों के लिए वैकल्पिक रोजगार की मांग की गई है। कोयलाधानी भूविस्थापित किसान संघ के केन्द्रीय अध्यक्ष व कोयला मजदूर पंचायत के केन्द्रीय उपाध्यक्ष गजेन्द्र पाल सिंह तंवर के नेतृत्व में ग्रामीणों को पीएनसी इंफाटेक लिमिटेड नामक आउट सोर्सिंग कंपनी में वैकल्पिक रोजगार की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

महाप्रबंधक अरुण कुमार त्यागी, महाप्रबंधक संचालन नरेंद्र साहू, महाप्रबंधक मानव संसाधन अजय बेहरा व महाप्रबंधक भू राजस्व धीरज चौधरी को ज्ञापन सौंपते हुए भू-विस्थापितों की समस्याओं से अवगत कराया गया। श्री तंवर ने कहा कि सभी भू विस्थापितों को गेवरा में आई हुई आउट सोर्सिंग कंपनी में रोजगार से जोड़ा जाए। पूर्व के जो भूविस्थापित हैं उन्हें तत्काल भू विस्थापित प्रमाण पत्र जारी किया जाए । श्री तंवर ने बताया कि गेवरा प्रबंधन ने जल्द ही बैठक कर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया है।

विकास के विजन पर स्टूडेंट्स के प्रभावी विवेचन में दिखी 2047 के विकसित छग की झलक

छग रजत जयंती महोत्सव: कमला नेहरू कॉलेज में विज्ञान संकाय का सेमिनार, क्विज व भाषण स्पर्धा आयोजित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव के अंतर्गत गुरुवार को कमला नेहरु महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए सेमिनार, क्विज व भाषण प्रतियोगिता रखी गई थी। जहां एक ओर छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति, संसाधन व विरासत पर फोकस भाषण और प्रश्नोत्तरी में जोर-आजमाइश हुई। विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित सेमिनार में पीपीटी के माध्यम से 20 प्रस्तुतिकरण दी गई। सेमिनार में भाग लेने वाले विद्यार्थियों ने तथ्यों को सामने रखते हुए जिन कसे हुए शब्दों में कल, आज और आने वाले कल की उम्मीदों पर विवेचना प्रस्तुत की, उसमें वर्ष 2047 के विकसित छत्तीसगढ़ की झलक नजर आई।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत बोपापुरकर ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का शुभारंभ किया। उनकी अनुमति के उपरांत विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सेमिनार सुबह 11 बजे कंप्यूटर लैब में प्रारंभ हुआ। एक-एक कर कुल 20 पीपीटी प्रेजेंटेशन दिए गए। इस दौरान कंप्यूटर साइंस विज्ञान, जूलॉजी विभाग, भौतिकशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र, भूगर्भ व रसायान शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने प्रस्तुतिकरण दिए। सेमिनार में निर्णायक की भूमिका सहायक प्राध्यापक अजय कुमार मिश्रा व वेदव्रत उपाध्याय ने निभाई। स्वागत उद्बोधन डॉ. बीना विश्वास व कार्यक्रम संचालन निधि सिंह ने किया। वर्ष 2047 के विकसित छत्तीसगढ़ के विषय पर विद्यार्थियों ने एकल व टीम वर्क कर प्रस्तुतिकरण दिया, जिनमें जनता के सपनों का संकल्प, सरकार से अपेक्षाएं, छत्तीसगढ़ का इको सिस्टम, जैव विविधता, कला व संस्कृति, शिक्षा, रोजगार, विकास योजनाएं व औद्योगिक विकास समेत अनेक विषयों में आंकड़ों के साथ अपनी बात रखी।

युवाओं के लिए अपने राज्य को जानना लाजमी -डॉ प्रशांत

प्राचार्य डॉ. प्रशांत बोपापुरकर ने कहा कि युवाओं से ही देश का भविष्य है और वर्ष 2047 में विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने के लिए उन्हें अपने राज्य को जानने की जरुरत है। उन्हें प्रदेश की कला-संस्कृति और विकास की अवधारणाओं से अवगत कराने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम और स्पधार्एं आयोजित की जा रहीं है। क्विज व भाषण स्पर्धा में स्वागत व संचालन की जिम्मेदारी सहायक प्राध्यापक डॉ. सुशीला कुजूर ने निभाई।

केएन कॉलेज में जॉब फेयर 13 को

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कमला नेहरू महाविद्यालय में 13 सितम्बर को सुबह 11 बजे जॉब फेयर का आयोजन किया जाएगा। जॉब फेयर का कार्यक्रम छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर जिला रोजगार कार्यालय और कमला नेहरू महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित है। आवेदकों का रोजगार पंजीयन तथा ई रोजगार पोर्टल में से उपस्थिति पत्र (एडमिट कार्ड) जनरेट करना आवश्यक है। आवेदक यह कार्यवाही स्वयं से पूर्ण करना सुनिश्चित करें और जो आवेदक ई रोजगार पोर्टल में स्वयं से रोजगार मेला, प्लेसमेंट ड्राइव में भाग लेना चाहते हैं, वे अपने लॉग इन आईडी से आगामी रोजगार मेला कोरबा सर्च करके भाग ले सकते हैं। प्राचार्य डॉ प्रशांत बोपापुरकर ने बताया कि आयोजन में विभिन्न कंपनियां भाग लेंगी और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेगा। मेले में महाविद्यालयों के वर्तमान व भूतपूर्व छात्र छात्राएं तथा जिले के वे सभी युवा जिन्हें अपना करियर शुरू करने एक अवसर की तलाश है, वे जॉब फेयर में सम्मिलित हो सकते हैं।

साइबर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

कोरबा। सजग कोरबा के अंतर्गत पुलिस द्वारा नगर के विभिन्न संस्थाओं में साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में ओरिएंटल कॉलेज आफ नर्सिंग तथा पीडब्ल्यूडी रामपुर स्कूल में मोबाइल बैंकिंग फ्रॉड, ऑनलाइन जुआ, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी एपीके, फिशिंग ईमेल, मैसेज के संबंध में छात्रों को हो रहे नए-नए साइबर फ्रॉड के तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में पुलिस टीम से विकेश्वर प्रताप सिंह, रवि कुमार चौबे, प्रतिभा राय आदि ने सहयोग किया।

कटघोरा में भव्य दशहरा आयोजन की तैयारी

80 फीट का रावण और छालीवुड कलाकार होंगे आकर्षण

कोरबा (छ.ग.गौरव)। दशहरा उत्सव समिति की बैठक नगर के गढ़कलेवा में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी दशहरा पर्व को भव्य और ऐतिहासिक बनाने की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष राज जायसवाल ने की। बैठक में सर्वसम्मति से समिति का गठन किया गया, जिसमें गोपाल शर्मा को अध्यक्ष तथा पवन ज्योति अग्रवाल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। समिति ने निर्णय लिया कि इस वर्ष दशहरा उत्सव का आयोजन मेला ग्राउंड में किया जाएगा, जहां दर्शकों के लिए कई विशेष कार्यक्रम होंगे।

इस वर्ष का मुख्य आकर्षण 80 फीट ऊँचा रावण होगा, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेगा। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ की छालीवुड फिल्म इंडस्ट्री के कलाकार मंच पर अपनी फिल्मी लोक कला प्रस्तुति जहुरिया की प्रस्तुति देंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में छत्तीसगढ़ी कला और संस्कृति की झलक भी देखने को मिलेगी। रावण दहन के अवसर पर इस बार ऐतिहासिक आतिशबाजी की जाएगी, जो पूरे क्षेत्र के लिए यादगार रहेगी। आयोजकों का कहना है कि आतिशबाजी इस बार और भी भव्य व आकर्षक होगी।

दशहरा पर्व को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह तैयार है। बैठक में उपस्थित कटघोरा थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी ने कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी ली और समिति से शांतिपूर्ण आयोजन के लिए सहयोग की अपील की। उन्होंने बताया कि भारी भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी आकस्मिक घटना से निपटने के लिए विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं।

कटघोरा का दशहरा उत्सव पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध है और हर साल हजारों की संख्या में लोग यहां जुटते हैं। इस बार कार्यक्रम को और भी भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। समिति के पदाधिकारियों का मानना है कि यह आयोजन नगर ही नहीं बल्कि पूरे जिले के लिए गौरव का विषय बनेगा। कटघोरा का दशहरा उत्सव हर वर्ष की तरह इस बार भी अद्वितीय और भव्य होने वाला है। मेला ग्राउंड में आयोजित होने वाले इस पर्व में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, विशाल रावण दहन और आतिशबाजी लोगों के लिए अविस्मरणीय रहेगा। बैठक में दशहरा उत्सव समिति कटघोरा के गोपाल शर्मा, पवन ज्योति, राजीव लखनपाल, अशरफ मेमन, नरेंद्र मित्तल, लाल बाबू ठाकुर, सतीश धनोंदिया, चंदन बघेल, संजय शर्मा, आकाश शर्मा, संजय पार्षद, अभिषेक गर्ग, राजकुमार अग्रवाल, केशव मित्तल, विष्णु अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, अशोक दुबे, इखलाख शेख, राहुल डिक्सेना, आशुतोष शर्मा, शारदा पाल, मंदीप जायसवाल प्रमुख रूप स उपस्थित रहे।

मानदेय शिक्षक भर्ती में अनियमितता का आरोप

मामले की कलेक्टर से की गई शिकायत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के ग्राम लोतलोता में मानदेय शिक्षक भर्ती को लेकर एक बड़ा आरोप सामने आया है। ग्रामवासी अजय कुमार ने कलेक्टर को आवेदन देकर भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता और भेदभाव का आरोप लगाया है। शिकायत में बताया गया कि अजय कुमार की पत्नी दुकाला ने शासकीय प्राथमिक शाला, लोतलोता में मानदेय शिक्षिका पद हेतु आवेदन किया था। उनके शैक्षणिक योग्यता के अंक 85 प्रतिशत हैं, जो अन्य आवेदकों की तुलना में सर्वाधिक हैं। बावजूद इसके ग्राम पंचायत की शिक्षा समिति द्वारा उनके आवेदन को यह कहकर अस्वीकार कर दिया गया कि वह सतनामी समाज से संबंधित हैं। अजय कुमार का कहना है कि समिति ने यह भी तर्क दिया कि दुकाला ने कोरोनाकाल में शिक्षा प्राप्त की है, जिससे उनका प्रतिशत अधिक आया है। जब सरपंच ने दुकाला को नियुक्त करने की बात कही, तब समिति ने दबाव बनाकर एक अन्य अभ्यर्थी कुमारी सोनू यादव, जिनके अंक मात्र 72.4 प्रतिशत हैं, का चयन कर लिया। प्रार्थी ने कलेक्टर से मांग की है कि भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच की जाए तथा या तो दुकाला को उनकी योग्यता के आधार पर नियुक्त किया जाए या फिर शिक्षा विभाग द्वारा नियमित शिक्षिका की नियुक्ति की जाए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35, प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623